RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 281 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » रविवार » 10-05-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 अखिलेश यादव ने मतपत्र से चुनाव कराने की मांग की

6 उच्च कोटि की वीरता दिखाकर अंतिम सांस तक लड़े अमर बलिदानी गणेश बहादुर

7 मैं हमेशा अपने लिए तैयार होती हूं, किसी को इंप्रेस करने के लिए नहीं : कृतिका कामरा

फर्स्ट टेक

लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि होंगे अगले सीडीएस

नई दिल्ली/भाषा। लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि को देश का नया प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) नियुक्त किया गया है और उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती उस महत्वाकांक्षी ''थिएटराइजेशन'' योजना को लागू करने की होगी, जिसका मकसद तीनों सेनाओं के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करना है। सुब्रमणि, जनरल अनिल चौहान का स्थान लेंगे, जिनका कार्यकाल 30 मई को समाप्त हो रहा है। फिलहाल राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय में सैन्य सलाहकार के रूप में कार्यरत लेफ्टिनेंट जनरल सुब्रमणि को पाकिस्तान और चीन मामलों का विशेषज्ञ माना जाता है। वह पिछले साल 31 जुलाई को थलसेना उपप्रमुख के पद से सेवानिवृत्त हुए थे। उन्हें पश्चिमी मोर्चे पर भारतीय सेना की प्रमुख स्ट्राइक कोर सहित दो कोर की कमान संभालने का गौरव भी प्राप्त है।

त्वरित गश्ती पोत 'अचल' तटरक्षक बल में शामिल किया गया

नई दिल्ली/भाषा। त्वरित गश्ती पोत (एफपीवी) 'अचल' को शनिवार को भारतीय तटरक्षक बल में शामिल कर लिया गया, जिससे समुद्री बल की अभियानगत क्षमताओं को मजबूती मिली है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। 'अचल' तटरक्षक बल के लिए गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जीएसएल) द्वारा निर्मित किए जा रहे आठ एफपीवी की शृंखला में पांचवां है। बल के एक प्रवक्ता ने बताया कि नई पीढ़ी के अदम्य श्रेणी के त्वरित गश्ती पोत को गोवा शिपयार्ड लिमिटेड में भारतीय तटरक्षक बल में शामिल किया गया, जो ''क्षमता में महत्वपूर्ण वृद्धि'' का प्रतीक है।

वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन अगले नौसेना प्रमुख नियुक्त

नई दिल्ली/भाषा। वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन को शनिवार को भारत का अगला नौसेना प्रमुख नियुक्त किया गया। वह एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी का स्थान लेंगे जो 31 मई को सेवानिवृत्त होंगे। वाइस एडमिरल स्वामीनाथन फिलहाल पश्चिमी नौसेना कमान के 'फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ' के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सरकार ने वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन को नौसेना प्रमुख नियुक्त किया है। नौसेना प्रमुख के रूप में उनका ध्यान सैन्यबल के जारी आधुनिकीकरण को आगे बढ़ाने पर केंद्रित रहने की संभावना है। फ्लैग ऑफिसर एक जुलाई 1987 को भारतीय नौसेना में शामिल हुए थे और वह संचार एवं इलेक्ट्रॉनिक युद्धकला के विशेषज्ञ हैं।

10-05-2026 सूर्यास्त 6:25 बजे | 11-05-2026 सूर्योदय 5:44 बजे

BSE	NSE
77,328.19	24,176.15
(-516.34)	(-150.50)

सोना	चांदी
15,720 रु.	265,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

खीझिए मत

आए कितने ही आक्रांता,
क्या बदला सब परिवेश कहो।
बदली कितनी ही फैशन पर,
क्या बदला देशी भेष कहो।
कितने दल आए और गए,
बदले क्या सब आदेश कहो।
इक दल के जीत जाने से ही,
कैसे हारा यह देश कहो।।

तमिलनाडु के राज्यपाल ने विजय को मुख्यमंत्री नियुक्त किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

▪ विजय आज मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे

▪ लोकभवन से प्राप्त जानकारी के अनुसार शपथ ग्रहण आज सुबह 10 बजे चेन्नई के नेहरू स्टेडियम में होगा।

▪ राज्यपाल आर्लेकर ने विजय को 13 मई या उससे पहले तक विश्वास मत हासिल करने का समय दिया।

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने शनिवार को टीवीके प्रमुख विजय को राज्य का नया मुख्यमंत्री नियुक्त किया, जो रविवार को शपथ लेंगे। लोकभवन ने यह जानकारी दी।

लोकभवन से प्राप्त जानकारी के अनुसार शपथ ग्रहण रविवार को सुबह 10 बजे चेन्नई के नेहरू स्टेडियम में होगा। राज्यपाल आर्लेकर ने विजय को 13 मई या उससे पहले तक विश्वास मत हासिल करने का समय दिया।

विजय ने राज्यपाल आर्लेकर से मुलाकात कर उन्हें वीसीके (विदुथलाई चिरूथईगल काची) और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) से मिला समर्थन पत्र सौंपा जिसके बाद राज्यपाल ने उन्हें मुख्यमंत्री नियुक्त किया। वीसीके और आईयूएमएल के पास दो-दो सीट हैं। राज्यपाल ने आवश्यक समर्थन को लेकर विजय से करीब एक घंटे तक बातचीत की।

दोनों पार्टियों के समर्थन को मिलाकर तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) की सीट की संख्या अब 234 सदस्यीय विधानसभा में 120 हो गई है।

लोकभवन की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, संविधान के प्रावधानों के तहत राज्यपाल आर्लेकर ने विजय को मुख्यमंत्री नियुक्त किया है। राज्यपाल ने विजय को मंत्रिमंडल के गठन के लिए भी आमंत्रित किया है।

इसके अलावा, आर्लेकर ने विजय को 13 मई या उससे पहले विश्वास मत हासिल करने का समय दिया।

विजय ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के. सेल्वपेरुंथगई और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के राज्य सचिव पी. षणमुगम सहित सहयोगी दलों के नेताओं के साथ राज्यपाल से मुलाकात की।

टीवीके के संस्थापक नेता ने राज्यपाल से उन्हें सरकार बनाने के लिए औपचारिक रूप से आमंत्रित करने का आग्रह किया था। विजय चौथी बार लोकभवन में राज्यपाल से मिलने पहुंचे थे।

इस बीच, टीवीके कार्यकर्ताओं ने पार्टी कार्यालय में पटाखे फोड़े, मिठाइयां बांटीं और बड़ी संख्या में इकट्ठा होकर जश्न मनाया।

पश्चिम बंगाल में बनी भाजपा की पहली सरकार

शुभेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। शुभेंदु अधिकारी के शनिवार को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के साथ ही पश्चिम बंगाल की राजनीति ने एक ऐतिहासिक करवट ली और राज्य में पहली बार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सत्ता संभाली। स्वतंत्रता के बाद पहली बार ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड ग्राउंड भाजपा सरकार के शपथग्रहण का गवाह बना।

शपथग्रहण समारोह के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) शासित राज्यों के मुख्यमंत्री विशाल मंच पर मौजूद थे। ''जय श्री राम'' के उद्घोष, ढोल की थाप और लहराते भगवा झंडों के बीच राज्यपाल आर. एन. रवि ने अधिकारी को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

प्रधानमंत्री मोदी ने मंच पर पहुंचने के बाद जनादेश के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए लोगों की ओर मुख करके घुटनों के बल झुककर जैसे ही हाथ जोड़े और मंच पर नत मस्तक हुए, ऐतिहासिक स्थल पर एकत्र भाजपा के हजारों समर्थकों ने जोरदार नारों और तालियों से उनका स्वागत किया।

भवानीपुर और नंदीग्राम, दोनों विधानसभा क्षेत्रों से जीत हासिल करने वाले तथा भाजपा के आक्रामक चुनाव अभियान का चेहरा बनकर उभरे अधिकारी ने सबसे पहले शपथ ली। उनके बाद भाजपा के वरिष्ठ नेता और पार्टी की प्रदेश इकाई के पूर्व अध्यक्ष दिलीप घोष ने मंत्री के रूप में शपथ ली। भाजपा विधायक अग्निमित्रा पॉल, अशोक कीर्तनिया, क्षुदिराम टुडू और निशीथ प्रामाणिक को भी मंत्री पद की शपथ दिलाई गई।

राजग सरकार की सामाजिक सुरक्षा योजनाएं आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने की प्रतिबद्धता दर्शाती हैं : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि उनकी सरकार की सामाजिक सुरक्षा योजनाएं भारत के लोगों के जीवन में गरिमा, भरोसा और वित्तीय सुरक्षा लाने की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

मोदी ने कहा कि आज से 11 साल पहले इसी दिन राजग सरकार द्वारा प्रमुख सामाजिक सुरक्षा और पेंशन योजनाओं की शुरुआत की गई थी। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''ये भारत के लोगों के जीवन में गरिमा, भरोसा और वित्तीय सुरक्षा लाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।''

मोदी ने कहा कि पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना और पीएम सुरक्षा बीमा योजना का जमीनी स्तर पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

प्रधानमंत्री द्वारा 9 मई, 2015 को शुरू की गईं जनसुरक्षा योजनाओं - प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) का उद्देश्य सभी को, विशेष रूप से समाज के वंचित और कमजोर वर्गों को किफायती वित्तीय सुरक्षा प्रदान करना है।

बेरोजगारी सबसे बड़ी बीमारी, भाजपा के पास इसका जवाब लाठी है : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

▪ भारत का युवा भाजपा के झूठ से तंग आ चुका है, वो अब चुप नहीं बैठेगा। और, कांग्रेस उनके साथ हर मोड़ पर खड़ी है।

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को दावा किया कि बेरोजगारी भारत की सबसे बड़ी 'बीमारी' है और बेरोजगार युवाओं के प्रति भाजपा की प्रतिक्रिया लाठियों के रूप में सामने आयी है। उन्होंने दावा किया कि बेरोजगारी का असर बिहार और उत्तर प्रदेश के युवाओं पर पड़ रहा है, जिन्हें रोजगार के उनके अधिकार की मांग को लेकर सड़कों पर उतरने पर बेरहमी से पीटा जाता है। उन्होंने 'एक्स' पर हिंदी में एक पोस्ट में कहा, पटना में कल अपने रोजगार का हक मांगते हुए शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे शिक्षक अभ्यर्थियों को बिहार पुलिस ने फिर बेरहमी से पीटा। बेरोजगार युवाओं को भाजपा का जवाब - लाठी।

लोकसभा में विपक्ष के नेता ने नौकरी की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों युवाओं की पटना में पुलिस द्वारा पिटाई के वीडियो साझा किए।

गांधी ने कहा, भारत में आज सबसे बड़ी बीमारी बेरोजगारी है और इसकी सबसे भयंकर मार बिहार और उत्तर प्रदेश के युवाओं पर पड़ रही है। लाखों युवा डिग्री और काबिलियत हाथ में लेकर दर-दर भटक रहे हैं। उन्होंने कहा, मगर भाजपा की सरकार को न इनकी परवाह है, न आपकी। जब युवा सड़कों पर उतरकर अपना हक मांगते हैं, उनके हाथ में रोजगार नहीं दिया जाता, पीठ पर लाठियां बरसाई जाती हैं।

पोस्ट में कांग्रेस नेता ने कहा, भारत का युवा भाजपा के झूठ से तंग आ चुका है, वो अब चुप नहीं बैठेगा। और, कांग्रेस उनके साथ हर मोड़ पर खड़ी है।

शिक्षण पद के इच्छुक बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों ने शुक्रवार को पटना में बीपीएससी टीआरई 4.0 परीक्षा की तिथि की अधिसूचना में देरी के विरोध में प्रदर्शन किया।

क्रिकेट ने भारत और त्रिनिदाद एवं टोबैगो के रिश्तों को दी खास पहचान : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पोर्ट ऑफ स्पेन/भाषा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने यहां आयोजित एक ध्वजारोहण समारोह में भारत और त्रिनिदाद एवं टोबैगो के बीच गहरे सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि क्रिकेट ने दोनों देशों के रिश्तों को एक विशेष आयाम दिया है।

जयशंकर जमैका, सूरीनाम और त्रिनिदाद एवं टोबैगो के तीन देशों के दौरे के अंतिम चरण में शुक्रवार को पारामारिबो से पोर्ट ऑफ स्पेन पहुंचे। इस दौरे का मकसद कैरेबियाई देशों के साथ भारत के रणनीतिक और सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत करना है।

विदेश और कैरिकॉम (कैरेबियन कम्युनिटी एंड कॉमन मार्केट) मामलों के मंत्रालय में आयोजित समारोह में जयशंकर ने कहा, ''भारत के त्रिनिदाद एवं टोबैगो के साथ परंपरागत रूप से बेहद हमेशा से बेहद आत्मीय और मित्रतापूर्ण रहे हैं। ये संबंध साझा इतिहास, उपनिवेशवाद के खिलाफ हमारे संघर्ष और क्रिकेट के हमारे विशेष जुड़ाव पर आधारित हैं।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन अगर हमारे संबंधों को कोई खास आयाम देता है तो वह निश्चित रूप से क्रिकेट है।''

विदेश मंत्री ने यह भी कहा कि भारतीय लंबे समय से वेस्टइंडीज के क्रिकेटरों के प्रशंसक रहे हैं।

त्रिनिदाद एवं टोबैगो कैरेबियाई क्रिकेट का एक परंपरागत गढ़ है और ब्रायन लारा तथा इयान बिशप जैसे कई महान वेस्टइंडीज क्रिकेटरों की जन्मभूमि है। जयशंकर ने समारोह में उपस्थित खिलाड़ी लारा की प्रशंसा करते हुए कहा, ''हर कोई जानता है कि हम भारतीय लंबे समय से वेस्टइंडीज के क्रिकेटर के बड़े प्रशंसक रहे हैं। मुझे यकीन है कि लारा भी इससे सहमत होंगे।'' उन्होंने सुनील नरेन, कीरोन पोलार्ड और निकोलस पूरन जैसे समकालीन खिलाड़ियों का भी उल्लेख करते हुए कहा कि ये क्रिकेटर भारत में खासा लोकप्रिय हैं।

गुजरात टाइटंस ने राजस्थान रॉयल्स को 77 रन से हराया

जयपुर/भाषा। कप्तान शुभमन गिल की 84 रन की विस्फोटक पारी और साई सुदर्शन के शानदार अर्धशतक के बाद राशिद खान (33 रन पर चार विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के कमाल से गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग टी20 के अहम मुकाबले में शनिवार को यहां राजस्थान रॉयल्स को 77 रन से शिकस्त देकर प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी संभावनाओं को मजबूत किया। टाइटंस ने मौजूदा सत्र का अपना सबसे बड़ा स्कोर चार विकेट पर 229 रन बनाने के बाद रॉयल्स की पारी को 16.3 ओवर में 152 रन पर समेटकर लगातार चौथी जीत दर्ज की।

भारत ने 'अग्नि' मिसाइल के उन्नत संस्करण का परीक्षण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने एक उन्नत अग्नि मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है जो कई पेलोड से अलग-अलग लक्ष्यों पर एकसाथ हमला करने में सक्षम है। इससे भारत उन चुनिंदा शक्तिशाली देशों की श्रेणी में शामिल हो गया है जिनके पास ऐसी उन्नत रणनीतिक मिसाइल तकनीक मौजूद है।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार, 'मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टार्गेटेड री-एंट्री व्हीकल' (एमआईआरवी) सिस्टम से लैस मिसाइल का परीक्षण शुक्रवार को ओडिशा के एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से किया गया।

एमआईआरवी सुविधा से एक ही मिसाइल कई अस्त्रों से अलग-अलग लक्ष्यों पर एकसाथ हमला करने में सक्षम होती है।

हालांकि मंत्रालय ने कहा कि एमआईआरवी तकनीक से लैस उन्नत अग्नि मिसाइल का उड़ान परीक्षण किया गया, लेकिन आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि यह अग्नि-5 मिसाइल थी और यह परीक्षण 'मिशन दिव्यास्त्र' के तहत एमआईआरवी तकनीक की जांच के लिए किया गया था।

ईडी ने पंजाब के मंत्री संजीव अरोड़ा को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली/चंडीगढ़/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय ने शनिवार को पंजाब के उद्योग मंत्री संजीव अरोड़ा को गिरफ्तार किया। यह गिरफ्तारी उनसे संबंधित कुछ संस्थाओं में कथित तौर पर 100 करोड़ रुपये की जीएसटी धोखाधड़ी से संबंधित धनशोधन मामले में छापेमारी के बाद की गयी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने ईडी की कार्रवाई की निंदा करते हुए केंद्र पर विपक्षी नेताओं को डराकर भाजपा में शामिल होने के लिए मजबूर करने के लिए ईडी और सीबीआई जैसी एजेंसियों को हथियार के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। वहीं भाजपा ने पलटवार करते हुए कहा कि आप सुप्रीमो और उनकी पार्टी घबराई हुई है क्योंकि वे जानते हैं कि पंजाब में उनके दिन गिने-चुने हैं। अधिकारियों का दावा है कि 62 वर्षीय अरोड़ा जांच में सहयोग नहीं कर रहे थे। अरोड़ा को शनिवार को स्थानीय अदालत में पेश किए जाने की संभावना है, जहां प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) विस्तृत पूछताछ के लिए उनकी हिरासत की मांग करेगा। अधिकारियों ने बताया कि उन्हें दिल्ली लाया जाएगा, जहां मामला दर्ज है और एजेंसी पूछताछ के लिए उनकी हिरासत की मांग करेगी। मंत्री बनने के एक साल से भी कम समय में, अरोड़ा पंजाब में आप सरकार के एक अहम सदस्य के तौर पर उभरे। ईडी ने इस कार्रवाई के तहत उत्तर भारत में पांच परिसर पर छापेमारी की।

जनगणना के बाद इंडोनेशिया की आबादी के बराबर हो सकती है भारत में मुस्लिम आबादी : रीजीजू

मुंबई/भाषा। केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने शनिवार को कहा कि जनगणना के बाद भारत में मुस्लिम आबादी लगभग इंडोनेशिया के बराबर रहने की संभावना है।

अल्पसंख्यक मामलों के केंद्रीय मंत्री रीजीजू ने यहां एक कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से कहा, ''देश में मुस्लिम आबादी संभवतः इंडोनेशिया की कुल आबादी के लगभग बराबर होगी। जनगणना के आंकड़े जारी होने के बाद यही संभावित परिणाम होगा।'' उन्होंने कहा कि पिछली जनगणना 2011 में हुई थी और 2021 में दस-वर्षीय जनगणना नहीं हो सकी, इसलिए जनसंख्या में वृद्धि हुई होगी।

रीजीजू ने कहा, ''चाहे किसी (समुदाय की) की संख्या कितनी भी हो, सभी भारतीय हैं।

पारसी समुदाय की घटती जनसंख्या पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि देश में उनकी संख्या लगभग 52,000 से 55,000 के बीच है। उन्होंने आगे कहा कि पारसी भारत का सबसे छोटा अल्पसंख्यक समुदाय है और सरकार उनकी सुरक्षा और उनकी संख्या में और कमी न आने देने के लिए काम कर रही है।

रीजीजू ने देश में अल्पसंख्यकों के खतरे में होने के दावों को भी खारिज करते हुए आरोप लगाया कि कुछ राजनीतिक संगठन मुसलमानों और ईसाइयों के बीच भय पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि संविधान के समक्ष सभी नागरिक समान हैं और किसी के साथ धर्म या जाति के आधार पर भेदभाव नहीं किया जाता है।

मंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल में भाजपा का सरकार बनाना देश के लिए एक जीत है, क्योंकि यह बांग्लादेश से सटी सीमा वाला एक बेहद संवेदनशील राज्य है, जहां से बड़ी संख्या में अवैध प्रवासी प्रवेश करते हैं।

जम्मू में कश्मीरी पंडितों का प्रदर्शन : पुनर्वास नीति और रोजगार पैकेज की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। कश्मीर घाटी से विस्थापित कश्मीरी पंडितों ने शनिवार को जम्मू में विरोध प्रदर्शन किया और समुदाय को दोबारा घाटी में बसाने के लिए एक व्यापक पुनर्वास नीति तैयार करने और उसे लागू करने की मांग की।

प्रदर्शनकारियों ने साथ ही प्रधानमंत्री के विशेष पैकेज के तहत 15,000 शिक्षित विस्थापित युवाओं के लिए एक नए रोजगार पैकेज की घोषणा करने की भी मांग की। यूथ ऑल इंडिया कश्मीरी समाज (वाईएआईकेएस) के बैनर तले वापसी और पुनर्वास, रोजगार के अवसर और उचित राजनीतिक प्रतिनिधित्व सहित अपनी मांगों के समर्थन में तख्तियां लिए और नारे लगाते हुए प्रदर्शनकारी यहां प्रेस क्लब के बाहर एकत्र हुए। इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व वाईएआईकेएस के अध्यक्ष आर के भट ने किया। उन्होंने कहा कि समुदाय अपनी लंबे समय से लंबित मांगों को पूरा करवाने के लिए एक बार फिर सड़कों पर उतरा है। भट ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार से लगभग 37 वर्षों के विस्थापन का दंश झेल रहे कश्मीरी पंडितों की उनकी 'मातृभूमि' में वापसी की सहूलियत देने की अपील की। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''हमारा मानना है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण से कश्मीरी पंडितों को न्याय और उचित पुनर्वास मिलना चाहिए। हम प्रधानमंत्री से अपील करते हैं कि वे घाटी में पूरे समुदाय के लिए एक व्यापक वापसी और पुनर्वास पैकेज तैयार करें।'' भट ने कहा समुदाय को प्रधानमंत्री, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन पर पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा, ''कश्मीरी पंडित समुदाय आज से सड़कों पर उतरे हैं। यह वही संगठन है, जिसने 2010 में कश्मीरी पंडित युवाओं को कश्मीर घाटी लौटने के लिए प्रेरित किया था। आज भी वह आंदोलन एक अलग रूप में जारी है।''

प. बंगाल में सुशासन, सुरक्षा और विकास के नए युग की शुरुआत हुई : मोहन यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शनिवार को कहा कि शुभेंदु अधिकारी के पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के साथ ही राज्य में सुशासन, सुरक्षा और विकास के नए युग की शुरुआत हो गई है।

शुभेंदु अधिकारी पश्चिम बंगाल में भाजपा के पहले मुख्यमंत्री बने हैं। शुभेंदु ने शनिवार को कोलकाता में आयोजित एक भव्य समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष नितिन नवीन तथा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के नेताओं की मौजूदगी में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। यादव भी इस समारोह में शामिल हुए। यादव ने कहा, ''शुभेंदु अधिकारी के शपथ ग्रहण के साथ ही पश्चिम बंगाल में सुशासन, सुरक्षा और विकास के नए युग की शुरुआत हुई है।'' यादव ने शुभेंदु को पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी मार्गदर्शन और शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल विकास, निवेश, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करेगा। शपथ ग्रहण समारोह की पूर्व संध्या पर यादव ने कहा था कि बंगाल ने हमेशा देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, लेकिन कांग्रेस, वामपंथियों और तृणमूल कांग्रेस की नीतियों के कारण राज्य पिछड़ गया।

उन्होंने शनिवार को कहा, अब बंगाल पुरानी राजनीति को पीछे छोड़कर विकास के मार्ग पर आगे बढ़ेगा। बंगाल में नई सरकार के शपथ ग्रहण के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा, नौ मई 2026 इतिहास में एक अत्यंत महत्वपूर्ण और गौरवपूर्ण अवसर के रूप में दर्ज होगा। यह तारीख हमेशा याद रखी जाएगी क्योंकि इसने भाग्य के निर्णायक मोड़ और आशा, सम्मान तथा सुशासन के नए अध्याय की शुरुआत की।

बंगाल में भाजपा सरकार का शपथ ग्रहण पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए भावुक करने वाला क्षण : फडणवीस

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार का गठन पार्टी के लिए एक भावनात्मक क्षण है। उन्होंने कहा कि यह बंगाल की ही नहीं बल्कि भारत की भी जीत है क्योंकि यह राज्य देश की सुरक्षा और विकास के लिए महत्वपूर्ण है। इससे पहले दिन में, शुभेंदु अधिकारी ने बंगाल के पहले भाजपा मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। कोलकाता के प्रतिष्ठित ब्रिगेड परेड ग्राउंड में स्वतंत्रता के बाद पहली भाजपा सरकार का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया था। फडणवीस ने कोलकाता में शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लेने के बाद कहा, ''यह केवल भाजपा की ही नहीं बल्कि देश की भी जीत है। पश्चिम बंगाल देश की सुरक्षा और विकास के लिए महत्वपूर्ण है।''

उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों के लिए भी यह क्षण ''भावनात्मक और भावुक कर देने वाला'' था। पश्चिम बंगाल के नए मुख्यमंत्री बनने पर शुभेंदु अधिकारी को बधाई देते हुए फडणवीस ने कहा, ''आज का दिन न केवल भाजपा के लिए बल्कि हम सभी के लिए अपार खुशी और आनंद का दिन है।'' भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार का गठन हुआ है और उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नया प्रशासन बंगाल की जनता की आकांक्षाओं को पूरा करेगा।

सहज स्मृति योग

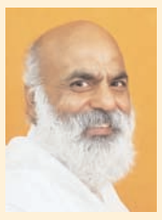

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, मांसाहार के बारे में आप क्या कहते हैं स्वयं सनातनी परंपरा में कितने ऐसे ऐतिहासिक उदाहरण हैं जो आमिष भोजी थे पर फिर भी उनका उद्धार हुआ, वे जीवन-मुक्त हुए ?

उत्तर: मांसाहार के बारे में ऐसी दृष्टि से देखना ही पर्याप्त है कि जो (जैसे सिंह, बाज़ इत्यादि) पशु पक्षी मांस भक्षण करते हैं उनकी देह में इतना चैतन्य धारण करने की सामर्थ्य नहीं है कि वे बिना मांस भक्षण किए वनस्पति मात्र से देह धर्म का पालन-पोषण कर पाएँ। और देह धर्म का पालन करना अर्थात जीवन जीने के भाव को प्राथमिकता देना और उसी भाव के अनुरूप आचरण करना अधर्म या स्वार्थ नहीं होता। बल्कि, वह तो वेद सम्मत अनुकरणीय पारमार्थिक सिद्धांत है। अतः किसी जीव का स्वधर्म पालन करते हुए निधन हो जाता है तो भी वह जीव श्रेष्ठ गति को प्राप्त होता ही है। मनुष्य देह में यह चैतन्य धारण करने का सामर्थ्य है कि वह बिना किसी जीव जंतु के प्रति हिंसा किए, वनस्पति जगत से प्राप्त आहार से भी अपना भरण पोषण कर देह धर्म का पालन कर सकता है। तो उसके लिए वही वरेण्य आचरण है। स्व धर्म का अंग है। क्योंकि, जो हिंसा अनावश्यक है वह हिंसा वेद (परम-चैतन्य)सम्मत नहीं होती है।

महबूबा मुफ्ती ने मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई पर सवाल उठाए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने शनिवार को कहा कि मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए, लेकिन निर्दोष परिवारों को उनके घरों को ध्वस्त करके परेशान नहीं किया जाना चाहिए।

मध्य कश्मीर के बडगाम जिले में एक पार्टी सम्मेलन को संबोधित करते हुए जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, अगर कोई भी मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल है, तो उसे जेल होनी चाहिए, लेकिन आपको उन पुलिसकर्मियों से भी पूछना चाहिए जो उनसे पैसे लेकर उन्हें छोड़ देते हैं। उनके घर क्यों तोड़े जा रहे हैं? परिवार वालों की क्या गलती है? आप उनके घर क्यों गिरा रहे हैं? यहां कोई न्याय नहीं है। उन्होंने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की आलोचना करते हुए कहा, उमर, अगर जनता को बुलडोजर बाबा पसंद होते, तो वे आपको वोट क्यों देते? लोगों ने आपको वोट दिया और 50 विधायक यह सोचकर दिए कि आप उनकी रक्षा करेंगे।

दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले में आज सुबह 'नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान' के तहत उपराज्यपाल मनोज सिन्हा की पदयात्रा का जिक्र करते हुए, पीडीपी अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि सरकारी कर्मचारियों, स्कूल शिक्षकों और छात्रों को कार्यक्रम में सुबह 6:30 बजे पहुंचने का निर्देश दिया गया था। उन्होंने कहा, मैं उस व्यक्ति का नाम नहीं बताऊंगी जिसने मुझे कल आधी रात को संदेश भेजा था। उस व्यक्ति ने बताया कि उपराज्यपाल अनंतनाग में नशा मुक्त अभियान कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं, लेकिन सभी कर्मचारियों और स्कूलों, जिनमें महिलाएं और लड़कियां भी शामिल हैं, को सुबह 6:30 बजे पहुंचने का निर्देश दिया गया है। मैं उपराज्यपाल से कहना चाहती हूं कि यह अभियान एक अच्छी पहल है, लेकिन... उन्हें इंतजार कराना, मुझे लगता है, अनुचित है।

पीडीपी प्रमुख ने सरकार पर व्यापक भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि योग्य युवाओं को अवसरों से वंचित किया जा रहा है, जबकि भर्ती प्रक्रिया में राजनीतिक पक्षपात हावी है।

नायडू असहमति को दबाने के लिए कर रहे पुलिस का इस्तेमाल: जगन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के प्रमुख जगन मोहन रेड्डी ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू पर असहमति को दबाने, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाने और राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाने के लिए पुलिस को राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया।

तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता दीपक रेड्डी ने इस आरोप का खंडन करते हुए कहा कि जगन ने वाईएसआरसीपी शासन (2019-2024) के दौरान असहमति को दबाया और विरोधियों को निशाना बनाने व आलोचकों को चुप कराने के लिए पुलिस व्यवस्था को राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया था। उन्होंने कहा, संविधान का अनुच्छेद 19 अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की गारंटी देता है। जगन ने आरोप लगाया कि तेदेपा के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार के तहत इस मौलिक अधिकार पर खतरनाक, व्यवस्थित और बेहद चिंताजनक तरीके से हमला किया जा रहा है। उन्होंने शुक्रवार देर रात 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, नमस्कार भारत! आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू पुलिस विभाग को राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल कर असहमति को दबा रहे हैं, विपक्ष की आवाज को कुचल रहे हैं और आंध्र प्रदेश में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को व्यवस्थित रूप से सीमित कर रहे हैं।

हरियाणा में बच्चों के खिलाफ अपराध दर देश में सर्वाधिक होना चिंताजनक : कुमारी सैलजा

चंडीगढ़/भाषा। कांग्रेस महासचिव और सिरसा से सांसद कुमारी सैलजा ने शनिवार को राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की नवीनतम रिपोर्ट पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हरियाणा में बच्चों के खिलाफ अपराध की दर राज्यों में सबसे अधिक है। एनसीआरबी द्वारा जारी 'भारत में अपराध 2024' रिपोर्ट के अनुसार, राज्य में 2022 में बच्चों के खिलाफ अपराध की 6,138 घटनाएं, 2023 में 6,401 और 2024 में 7,547 घटनाएं दर्ज की गईं।

वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, प्रति लाख बच्चों की वास्तविक जनसंख्या के आधार पर, हरियाणा में बच्चों के खिलाफ अपराध की कुल दर 2024 में 82.8 थी। स्थिति को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और चिंताजनक बताते हुए सैलजा ने एक बयान में कहा कि एनसीआरबी के अनुसार, 2024 में हरियाणा में बच्चों के खिलाफ अपराध के 7,547 मामले दर्ज किए गए, जो 2023 में दर्ज किए गए 6,401 मामलों से लगभग 18 प्रतिशत अधिक हैं। उन्होंने कहा, ''इनमें अपहरण, यौन शोषण, हिंसा और हत्या जैसे गंभीर अपराध शामिल हैं।'' कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि ये आंकड़े न केवल कानून व्यवस्था की विफलता को दर्शाते हैं बल्कि बढ़ती सामाजिक असंवेदनशीलता को भी उजागर करते हैं। सैलजा ने कहा कि दहेज हत्या, घरेलू हिंसा और उत्पीड़न सहित महिलाओं के खिलाफ अपराध पहले से ही चिंता का विषय थे, और बच्चों के खिलाफ अपराधों में वृद्धि ने राज्य सरकार की नीतियों तथा प्रशासनिक कामकाज पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा किसी भी सभ्य समाज की सर्वोपरि जिम्मेदारी है।

देहरादून में सॉफ्टवेयर इंजीनियर से लूटपाट के बाद पुल से नीचे फेंका, हालत गंभीर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के देहरादून में एक आईटी कंपनी में कार्यरत सॉफ्टवेयर इंजीनियर के साथ कथित तौर पर दो बदमाशों ने मारपीट और लूटपाट करने के बाद उसे पुल से नीचे फेंक दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार पीड़ित 23 वर्षीय आकाश कुमार के पिता विनोद कुमार ने मामले में लिखित शिकायत दी है।

तहरीर के मुताबिक यह घटना बृहस्पतिवार देर रात करीब 2:15 बजे की है। आकाश अपनी रात्रि पाली समाप्त होने के बाद घर जाने के लिए सहस्त्रधारा क्रॉसिंग पर रैपिडो बाइक का इंतजार कर रहा था। इसी दौरान स्कूटी सवार दो बदमाश उसे जबरन अपने साथ प्रेमनगर क्षेत्र स्थित हनुमान मंदिर के पास जामुनवाला पुल पर ले गए। वहां उन्होंने आकाश के साथ मारपीट की, उसके दो मोबाइल फोन और 600 रुपए नकद लूट लिए तथा उसे मौके पर छोड़कर फरार हो गए।

दून अस्पताल में भर्ती आकाश के पिता ने आरोप लगाया कि बदमाशों ने लूटपाट के बाद उसे पुल से नीचे नदी में फेंक दिया। उन्होंने बताया कि आकाश कई घंटों तक दर्द से तड़पता हुआ वहीं पड़ा रहा। सुबह वहां से गुजर रहे एक पुजारी की नजर उस पर पड़ी, जिन्होंने पास में रहने वाले कुछ सैन्यकर्मियों को बुलाया और उनकी मदद से उसे ऊपर लाया गया।

न्याय को सर्व सुलभ बनाने के लिए कानूनी सहायता, कल्याणकारी योजनाओं में समन्वय हो : प्रधान न्यायाधीश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नोंगपोह (मेघालय)/भाषा। भारत के प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने अंतिम छोर तक न्याय की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए कानूनी सहायता और कल्याणकारी योजनाओं के समन्वय की आवश्यकता पर शनिवार को जोर दिया। मेघालय के री भोई जिले में एक जागरूकता शिविर का उद्घाटन करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए, राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (एनएएलएसए) के प्रमुख संरक्षक न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच, शैक्षिक सहायता, आजीविका के अवसर और पुनर्वास सहायता को ऐसे शिविरों के माध्यम से एक साथ लाया जा रहा है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि लाभ जमीनी स्तर तक पहुंचे।

मेघालय उच्च न्यायालय और मेघालय राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (एमएसएलएसए) द्वारा राज्य सरकार के साथ साझेदारी में, री भोई जिले के मारनगर में दूरियों को पाटना विषय के तहत एनएएलएसए योजनाओं और सरकारी कल्याणकारी योजनाओं पर एक विशाल शिविर-सह-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उन्होंने सभी हितधारकों से न्याय तक पहुंच को मजबूत करने के लिए मिलकर काम करने का आग्रह करते हुए कहा, यह जरूरी है कि सरकारी विभागों, संगठनों और कानूनी संस्थानों द्वारा कार्यान्वित की जाने वाली ये सभी कल्याणकारी योजनाएं एक ही छत के नीचे सभी के लिए उपलब्ध हों। प्रधान न्यायाधीश ने जमीनी स्तर पर कानूनी सेवाएं प्रदान करने में अर्ध-न्यायिक स्वयंसेवकों की भूमिका को भी स्वीकार किया और उनकी भर्ती को मजबूत करने का आह्वान किया। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां ने मेघालय की अनूठी पारंपरिक प्रथाओं की सराहना करते हुए, पारंपरिक न्याय प्रणालियों को संवैधानिक ढांचे के साथ संरेखित करने के महत्व पर प्रकाश डाला।

गुरुग्राम में दो नाइट क्लब पर छापेमारी की कार्रवाई, एक गिरफ्तार

गुरुग्राम/भाषा। हरियाणा से सटे गुरुग्राम के सेक्टर-66 और सेक्टर-58 स्थित दो नाइट क्लब पर शुक्रवार रात छापेमारी की गई कार्रवाई की गई और सेक्टर 66 स्थित क्लब में अवैध शराब रखने के आरोप में इसके मालिक को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, सेक्टर 58 क्लब के खिलाफ तय समय के बाद तेज आवाज में संगीत बजाने के आरोप में कार्रवाई की गई और एक ध्वनि विस्तारक कर लिया। पुलिस के मुताबिक, शुक्रवार देर रात सेक्टर-66 स्थित एलीट क्लब पर छापा मारा गया, जहां से गैर-कानूनी शराब जब्त की, जिसमें व्हिस्की की चार बोतलें और बीयर की 25 बोतलें शामिल हैं। उसने बताया कि क्लब का प्रबंधक शराब रखने के लिए जरूरी लाइसेंस या अनुमति पत्र नहीं दिखा सका। पुलिस ने बताया कि गुरुग्राम सेक्टर- 65 पुलिस थाना में इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज की गई और क्लब के मालिक दिल्ली के उत्तम नगर निवासी उदित बंसल को गिरफ्तार कर लिया गया।

गुजरात: महिला की हत्या का 34 साल पुराना मामला सुलझा, पति व देवर गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। अहमदाबाद के एक घर के बरामदे से मिले कंकाल ने 1992 की उस खौफनाक हत्या का पर्दाफाश कर दिया, जिसमें एक महिला को मारकर घर के भीतर ही दफन कर दिया गया था। हड्डियों की डीएनए जांच के जरिए महिला की पहचान फरजाना दोशु राधनपुरी के रूप में होने के साथ ही पुलिस ने उसके पति और देवर को धर दबोचा। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि अपराध शाखा ने 1992 के इस सनसनीखेज हत्या मामले में शमशुद्दीन खेड़ावाला (61) और उसके भाई इकबाल (63) को गिरफ्तार किया है। राधनपुरी शमशुद्दीन की पत्नी थी। उन्होंने बताया कि खुदाई में मिले कंकाल के डीएनए का मिलान राधनपुरी के भाई-बहनों से कराया गया, जिससे ही पहचान संभव हो पाई। अधिकारी ने बताया कि आरोप है कि शमशुद्दीन ने अपने भाई और दो अन्य साथियों की मदद से फरजाना की हत्या कर उसे वटवा इलाके के कुतुब नगर स्थित एक मकान के बरामदे में गड्ढा खोदकर दफना दिया था। एक गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने 29 अप्रैल को मौके पर खुदाई कराई, जहां से जबड़े की हड्डी और दांत बरामद हुए। बाद में इन्हें बी.जे. मेडिकल कॉलेज के फॉरेंसिक मेडिसिन विभाग भेजा गया, ताकि मृतका की पहचान की जा सके। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने स्थानीय लोगों से पूछताछ करते हुए महिला के परिवार को ढोलका तालुका में खोज निकाला, जहां उसके भाई लियाकत अली ने बताया कि फरजाना 35 साल से लापता थी। पहचान की पुष्टि के लिए हड्डियों के डीएनए का मिलान फरजाना की बहन मेहबूबा के रक्त के नमूने से कराया गया, जो पूरी तरह मेल खा गया। पुलिस ने शमशुद्दीन और इकबाल के अलावा अब्दुल जावरावाला और शलियाबीबी पठान के खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज की है, हालांकि ये दोनों अब जीवित नहीं हैं।

केजरीवाल का मोदी पर 'औरंगजेब' तंज : केंद्रीय मंत्री बिट्टू ने आप प्रमुख को 'अहमद शाह अब्दाली' कहा

चंडीगढ़/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप)के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तुलना मुगल बादशाह औरंगजेब से किए जाने पर पलटवार करते हुए केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने शनिवार को उन्हें 'अहमद शाह अब्दाली' करार दिया। केजरीवाल ने शनिवार को पंजाब के उद्योग मंत्री संजीव अरोड़ा के खिलाफ ईडी की छापेमारी को लेकर मोदी की आलोचना की और आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं को डराकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल करने के लिए केंद्रीय एजेंसी का दुरुपयोग किया जा रहा है।

बिट्टू ने यहां संवाददाताओं से कहा कि केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को सिर्फ मुगल शासकों के नाम याद हैं।

रेल राज्य मंत्री ने आरोप लगाया, ''उन्हें (केजरीवाल और मान) मुगल शासकों के नाम इसलिए याद हैं क्योंकि उनका काम मुगल शासकों जैसा है।'' उन्होंने कहा, ''अफगान शासक अब्दाली के बारे में तो सबने पढ़ा है। लेकिन क्या किसी ने उसे देखा है? पंजाब ने अहमद शाह अब्दाली को फिर से देखा है और वही अहमद शाह अब्दाली केजरीवाल हैं।''

पंजाब के साथ 'खतरनाक खेल' खेल रही केंद्र सरकार : मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शनिवार को पंजाब के उद्योग मंत्री संजीव अरोड़ा के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा छापे मारे जाने के बाद केंद्र पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)-नीत केंद्र सरकार पंजाब के साथ ''खतरनाक खेल'' खेल रही है।

मान ने केंद्र सरकार पर अपने राजनीतिक मकसद पूरे करने के लिए ईडी और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) जैसी एजेंसियों को ''हथियार'' के रूप में इस्तेमाल करने का भी आरोप लगाया। मान ने भाजपा पर ''विभाजनकारी और नफरत की राजनीति'' करने का आरोप लगाते हुए उसे ''भारत जलाओ पार्टी'' करार दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा पंजाब के साथ ''खतरनाक खेल'' खेल रही है, लेकिन राज्य उसे ऐसा नहीं करने देगा। मुख्यमंत्री मान ने संगरूर में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि ईडी, सीबीआई और आयकर विभाग जैसी एजेंसियां ''भाजपा के पास मौजूद वे चार-पांच हथियार हैं जिनका राजनीतिकरण कर दिया गया है।''

मान ने कहा, ''वे लंबे समय से अपनी राजनीति के लिए इनका इस्तेमाल कर रहे हैं। चाहे महाराष्ट्र हो या ओडिशा, बिहार हो या कर्नाटक अथवा पश्चिम बंगाल। अब पंजाब उनके निशाने पर है।'' अधिकारियों ने बताया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धनशोधन के हाल में दर्ज एक मामले से संबंधित जांच के तहत पंजाब के उद्योग मंत्री संजीव अरोड़ा और उनसे कथित रूप से जुड़े कुछ अन्य लोगों के परिसरों पर शनिवार को फिर से छापे मारे। मान ने केंद्र पर निशाना साधते हुए कहा, ''वे ईडी का जो दुरुपयोग कर रहे हैं, मैं उसकी कड़ी निंदा करता हूं।'' उन्होंने कहा, ''छापे मारने के पीछे उनका मकसद कोई काला धन या कोई अवैध दस्तावेज ढूंढना नहीं है। उनका मकसद होता है कि जिस व्यक्ति के परिसर पर छापा मारा गया है, उस तक यह संदेश पहुंच जाए कि भाजपा में शामिल हो जाओ और सब माफ कर दिया जाएगा।'' मान ने राज्यसभा सदस्य अशोक मित्तल का जिक्र करते हुए सवाल किया कि हाल में उनके भाजपा में शामिल होने के बाद उनके खिलाफ ईडी की कार्रवाई का क्या हुआ?

मान ने कहा कि अरोड़ा के खिलाफ ईडी की ''तथाकथित'' छापेमारी जारी है। उन्होंने कहा, ''एक महीने में यह दूसरी बार और एक साल में तीसरी बार है जब वे आए हैं, लेकिन पहले भी उन्हें कुछ नहीं मिला और अब भी कुछ नहीं मिलेगा। वे केवल यह संदेश देने आए हैं कि भाजपा में शामिल हो जाओ, वरना उनके कारोबार बंद कर दिए जाएंगे।'' मान ने आरोप लगाया कि भाजपा-नीत केंद्र सरकार अपने विरोधियों में इसी तरह डर पैदा कर काम करती है। उन्होंने कहा कि वे अन्य राज्यों में ऐसा कर सकते हैं, लेकिन पंजाब में उनकी यह रणनीति काम नहीं करेगी। उन्होंने कहा, ''मैं भाजपा, मोदी और अमित शाह को बहुत स्पष्ट रूप से बताना चाहता हूं कि यह पंजाब है, यह ऐसी धमकियों से डरने वाला नहीं है। मोदी को तीन कृषि कानूनों पर 'यू-टर्न' लेना पड़ा था और माफी मांगनी पड़ी थी। शायद मोदी अब भी उस टीस को मन में रखे हुए हैं।''

इससे पहले मान ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, ''आज फिर एक बार 'भाजपा की ईडी' अरोड़ा के घर पहुंची है। एक साल में यह तीसरी बार है, जब 'भाजपा की ईडी' उनके घर पहुंची है और पिछले एक महीने में दूसरी बार। फिर भी उन्हें कुछ नहीं मिला।''

वीसीके, आईयूएमएल ने दिया समर्थन : विजय ने बहुमत के लिए जरूरी संख्या बल हासिल किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में नई सरकार के गठन को लेकर अनिश्चितता की स्थिति आखिरकार शनिवार को खत्म हो गई। वीसीके और आईयूएमएल ने अभिनेता से नेता बने विजय को बिना ''शर्त समर्थन'' दिया, जिससे तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) ने 234 सदस्यीय विधानसभा में साधारण बहुमत के लिए जरूरी संख्या बल अब हासिल कर लिया है। थोल थिरुमावलवन के नेतृत्व वाली विदुथलाई चिरुथाइगल काची (वीसीके) ने आखिरकार विजय को समर्थन दे दिया। पार्टी के दो विधायक हैं। लंबे समय से वाम दलों की सहयोगी रही वीसीके ने पहले ही घोषणा की थी कि उसका निर्णय वामपंथी पार्टियों के रुख के अनुरूप रहेगा। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) ने शुक्रवार को विजय को अपना समर्थन देने की घोषणा की थी। दोनों वाम दलों के दो-दो विधायक हैं।

विजय का समर्थन करने से जुड़े वीसीके के निर्णय के कुछ ही देर बाद, द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के एक और सहयोगी इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) ने भी टीवीके को समर्थन दे दिया। आईयूएमएल के दो विधायक हैं। वीसीके और आईयूएमएल के समर्थन से टीवीके के पास संख्या बल बढ़कर 120 हो गया, जो तमिलनाडु की 234 सदस्यीय विधानसभा में साधारण बहुमत के लिए आवश्यक 118 सीटों से दो अधिक है।

विजय शनिवार शाम राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर से मिलने के लिए लोक भवन रवाना हुए, लेकिन कथित तौर पर मुलाकात का समय नहीं दिये जाने के कारण उन्हें वापस लौटना पड़ा। हालांकि, बाद में टीवीके प्रमुख विजय ने कांग्रेस और सहयोगी दलों के नेताओं के साथ राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर से मुलाकात की, जिस दौरान राज्य में नई सरकार के गठन पर चर्चा हुई। इससे पहले, भाकपा के प्रदेश सचिव एम. वीरपांडियन ने विजय को ''परेशान'' करने के लिए राज्यपाल की आलोचना की थी।

विधानसभा चुनाव के बाद, राज्य में तेजी से हुए घटनाक्रम में विजय के नेतृत्व वाली टीवीके को उस वक्त गंभीर आरोपों का सामना करना पड़ा, जब राजग के घटक दल एएमएमके ने उस पर विधायकों की खरीद-फरोख्त का आरोप लगाया। टीवीके को समर्थन दे रही कांग्रेस अपने विधायकों को हैदराबाद ले गई है। वाम दलों द्वारा टीवीके को सरकार बनाने के लिए बिना शर्त समर्थन देने की घोषणा के बाद, वीसीके के संस्थापक थिरुमावलवन ने शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से अपने पार्टी पदाधिकारियों के साथ तुरंत बैठक की थी। वाम दलों ने कहा कि टीवीके को समर्थन देने का निर्णय राज्यपाल के माध्यम से पिछले दरवाजे से भाजपा के प्रवेश को रोकने और जनादेश का सम्मान करने के लिए है।

हालांकि, पहले यह उम्मीद जताई जा रही थी कि वीसीके शनिवार सुबह अपना रुख स्पष्ट करेगी, लेकिन पार्टी ने दोपहर बाद अपना निर्णय सार्वजनिक किया। टीवीके और वीसीके के बीच मंत्री पदों के आवंटन को लेकर कुछ सौदेबाजी होने की अपुष्ट खबरें आई थीं, लेकिन दोनों पक्षों की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई। विजय ने अपने मंत्रिमंडल में सहयोगियों को शामिल करने के लिए तत्परता दिखाई है, जो वीसीके की सत्ता-साझेदारी की घोषित स्थिति के अनुरूप है।

राज्य में तेजी से हो रहे राजनीतिक घटनाक्रम के बीच, कांग्रेस के पांच विधायक अभी हैदराबाद में हैं, जबकि टीवीके विधायक चेन्नई के निकट मामल्लपुरम के एक रिसॉर्ट/होटल में ठहराये गए हैं। वहीं, अन्नाद्रमुक विधायक पुडुचेरी से चेन्नई लौट चुके हैं, जबकि पार्टी प्रमुख एडप्पाडी के. पलानीस्वामी ने सरकार बनाने जा रही ''पार्टी'' को शुभकामनाएं दी हैं। ऐसे समय में, जब यह अफवाहें फैल रही थीं कि वीसीके विजय के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल में उपमुख्यमंत्री समेत कई महत्वपूर्ण पदों पर नजर गड़ाए हुए है, पार्टी (वीसीके) नेता एसएस बालाजी ने कहा कि वीसीके को अपनी इच्छा और सुविधा के अनुसार निर्णय लेने की आजादी है।

उन्होंने सवाल किया, इतनी व्यग्रता क्यों दिखाई जा रही है और हम पर इतना दबाव क्यों डाला जा रहा है? वीसीके नेता वन्नियारासु, जो पार्टी संस्थापक के करीबी सहयोगी हैं, पहले ही स्पष्ट संकेत दे चुके हैं कि वह सत्ता में हिस्सेदारी चाहती है। इस बीच, एएमएमके ने टीवीके के खिलाफ गिंडी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि सरकार गठन का दावा करने के लिए ''जाली'' समर्थन पत्र का इस्तेमाल किया गया है। गिंडी पुलिस के अनुसार, एएमएमके के महासचिव टीटीवी दिनाकरन से एक आवेदन प्राप्त हुआ है।

संवाददाताओं से बात करते हुए, एएमएमके प्रमुख ने विजय के नेतृत्व वाली टीवीके पर राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर को एक जाली पत्र की छायाप्रति सौंपने का आरोप लगाया, जिसमें एएमएमके के मन्नारगुडी से विधायक एस कामराज के समर्थन का झूठा दावा किया गया है। कामराज, एएमएमके एक मात्र विधायक हैं। इस बीच, टीवीके ने आरोपों को ''झूठी खबर'' बताते हुए खारिज कर दिया और एक जवाबी वीडियो जारी किया, जिसमें कथित तौर पर विधायक कामराज को ''स्वेच्छा से समर्थन पत्र'' पर हस्ताक्षर करते देखा जा सकता है।

गिंडी पुलिस आवेदन की प्रारंभिक जांच करने के बाद प्राथमिकी दर्ज करने के संबंध में फैसला करेगी। विधानसभा चुनावों में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी विजय के नेतृत्व वाली टीवीके के पास शुरुआत में बहुमत के आंकड़े से 10 सीटें कम, यानी 108 सीटें थीं। टीवीके ने अपने पहले विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करने के बाद, सरकार बनाने के लिए द्रमुक के सहयोगी दलों -- कांग्रेस, भाकपा, माकपा और वीसीके से संपर्क किया था और समर्थन मांगा था।

विजय ने 23 अप्रैल को हुए चुनावों में दो सीटों पर जीत हासिल की है और उन्हें उनमें से एक सीट छोड़नी पड़ेगी। इससे पार्टी के विधायकों की संख्या घटकर 107 हो जाएगी। टीवीके को समर्थन देने वाली पार्टियों - कांग्रेस के पांच तथा भाकपा, माकपा, वीसीके और आईयूएमएल (प्रत्येक) के दो-दो विधायक हैं। इस तरह, इन विधायकों की कुल संख्या 13 है।

टीवीके को समर्थन राष्ट्रपति शासन को रोकने, विजय को सरकार बनाने में मदद के लिए है : वीसीके प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। विदुथलाई चिरुथाइगल काची (वीसीके) प्रमुख थोल थिरुमावलवन ने शनिवार को कहा कि उनकी पार्टी तमिलनाडु में राष्ट्रपति शासन लागू होने को रोकने और तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) को मिले जनादेश का सम्मान करते हुए सरकार गठन में विजय की पार्टी का समर्थन करेगी। थिरुमावलवन ने कहा कि सरकार गठन में व्याप्त अनिश्चितता के कारण, विशेष रूप से टीवीके के पास अकेले सरकार बनाने के लिए साधारण बहुमत न होने और किसी अन्य राजनीतिक दल के 118 सीटों के जादुई आंकड़े के करीब न होने के चलते टीवीके के सरकार बनाने के प्रयासों में उसका समर्थन करना आवश्यक था।

टीवीके के महासचिव अधव अर्जुन को समर्थन पत्र सौंपने के कुछ ही घंटों बाद, वीसीके के संस्थापक ने कहा कि उनकी पार्टी का निर्णय वामपंथी दलों के निर्णय के अनुरूप है। थिरुमावलवन ने प्रेस वार्ता में कहा, हमारे रुख के कारण द्रमुक के साथ हमारे संबंधों पर कोई असर नहीं पड़ेगा, बल्कि इससे विजय को सरकार बनाने में मदद मिलेगी और राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू होने से भी रोका जा सकेगा। उन्होंने कहा कि वह द्रमुक के नेतृत्व वाले धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन में बने रहेंगे। वीसीके प्रमुख ने कहा कि उनकी पार्टी का रुख पहले ही द्रमुक प्रमुख एम.के. स्टालिन को बता दिया गया था, जिन्होंने वीसीके और वामपंथी दलों के सर्वसम्मत निर्णय पर सहमति जताई थी। वीसीके नेता ने कहा, हमने एक राजनीतिक दल के रूप में अपनी स्वतंत्रता का प्रयोग किया और राज्य के दीर्घकालिक दृष्टिकोण को भी ध्यान में रखते हुए टीवीके को बिना शर्त समर्थन दिया।

अन्नाद्रमुक विधायक पुडुचेरी के रिजॉर्ट से चेन्नई लौटे, पलानीस्वामी से मिलने पहुंचे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अन्नाद्रमुक के विधायक तीन दिन तक पुडुचेरी के एक रिजॉर्ट में ठहरने के बाद शनिवार को पार्टी महासचिव एडप्पाडी के. पलानीस्वामी से उनके आवास पर मिलने पहुंचे। पार्टी के 30 से अधिक विधायकों को पड़ोसी केंद्र शासित प्रदेश के रिजॉर्ट में ठहरने के लिए कहा गया था।

ऐसी जानकारी है कि उन्हें कथित तौर पर क्रॉस वोटिंग या दल-बदल'' से रोकने के लिए वहां ठहराया गया, क्योंकि तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के नेता विजय सरकार बनाने के लिए समर्थन जुटाने में लगे हुए हैं।

गत 23 अप्रैल को हुए तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में टीवीके सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है।

अन्नाद्रमुक के सूत्रों ने बताया कि पलानीस्वामी राजनीतिक अनिश्चितता के बीच नई सरकार के गठन को लेकर पार्टी की अगली रणनीति पर चर्चा करने के लिए विधायकों की बैठक की अध्यक्षता करेंगे।

सी. विजयभास्कर, के पी अंबलगन और बी. वलारमति समेत वरिष्ठ पार्टी नेता पलानीस्वामी के चेन्नई स्थित आवास पहुंचे।

पार्टी के सूत्रों ने बताया कि बैठक में सहयोगी दल अम्मा मक्कल मुनेत्र कषगम (एएमएमके) द्वारा टीवीके पर लगाए गए उस आरोप पर भी चर्चा होगी, जिसमें कहा गया है कि सरकार बनाने का दावा पेश करने के लिए ''फर्जी'' समर्थन पत्र का इस्तेमाल किया गया।

एएमएमके का टीवीके पर 'खरीद फरोख्त' का आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अम्मा मक्कल मुनेत्र कषगम (एएमएमके) प्रमुख टी टी वी दिनाकरन ने तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) पर सरकार गठन का दावा पेश करने के लिए ''फर्जी'' समर्थन पत्र का इस्तेमाल करके ''खरीद फरोख्त में लिप्त होने'' का आरोप लगाया। विजय के नेतृत्व वाली पार्टी ने आरोप से इनकार किया। दिनाकरन ने यह भी सवाल किया कि टीवीके को समर्थन देने का कथित वादा करने वाला मूल पत्र विजय की पार्टी द्वारा राज्यपाल को क्यों नहीं सौंपा गया और उन्होंने इस मामले को कानूनी रूप से आगे बढ़ने की बात कही। यह विवाद एएमएमके के मन्नारगुडी से एकमात्र विधायक एस. कामराज द्वारा हस्ताक्षरित कथित पत्र पर केंद्रित है, जिसमें उन्होंने टीवीके को समर्थन देने का वादा किया है।

दिनाकरन ने पत्र को ''जाली'' करार दिया, वहीं टीवीके ने जवाब में एक वीडियो जारी किया जिसमें कामराज कथित तौर पर कार के अंदर पत्र पर हस्ताक्षर करते हुए दिख रहे हैं। टीवीके ने विधानसभा में आवश्यक संख्या हासिल करने के लिए किसी भी तरह की खरीद फरोख्त से भी इनकार किया और कहा कि पार्टी नेता विजय इतने नीचे नहीं गिरेंगे। दिनाकरन ने वीडियो की प्रामाणिकता पर सवाल उठाए। उन्होंने सवाल किया, ''आप उनसे (कामराज से) किस आधार पर मिले? कहां मिले? किस कार में? किस शहर में? आप उसे कहां ले गए?'' दिनाकरन ने कहा, ''मुझे संदेह है कि बहुमत नहीं होने के कारण सरकार बनाने की हताश टीवीके खरीद-फरोख्त में लिप्त हुई होगी।'' दिनाकरन ने सवाल किया कि क्या विजय द्वारा मूल पत्र जारी किया जाएगा और दावा किया कि पत्र फर्जी है, संभवतः एआई द्वारा निर्मित है। दिनाकरन ने यहां पत्रकारों से कहा कि उनकी पार्टी की ओर से टीवीके के खिलाफ गिंडी पुलिस थाने में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई गई है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि सरकार गठन का दावा करने के लिए जाली समर्थन पत्र का इस्तेमाल किया गया है। वकीलों से परामर्श के बाद कानूनी कार्रवाई की चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा, जब तक मुझे न्याय नहीं मिल जाता, मैं चैन से नहीं बैठूंगा। उन्होंने कहा कि कामराज ने मन्नारगुडी विधानसभा सीट टीवीके के खिलाफ जीती है। उन्होंने सवाल किया, मेरी सहमति के बिना वह समर्थन कैसे कर सकते हैं? एएमएमके नेता ने सरकार बनाने के लिए दस्तावेजों की जालसाजी के गंभीर परिणामों पर जोर देते हुए कहा कि अगर सरकार गठन में इस तरह की कार्रवाई को आधार बनाया गया तो यह राज्य के लिए विनाशकारी साबित होगा।

विजय की पार्टी ने आरोपों का खंडन किया

केरल में मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवारों के समर्थन में प्रदर्शन विभाजनकारी रणनीति का हिस्सा : उन्नीथन

कासरगोड। कांग्रेस सांसद राजमोहन उन्नीथन ने शनिवार को केरल के अगले मुख्यमंत्री के मुद्दे पर अपनी चुप्पी तोड़ी और पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल के पोस्टर को नुकसान पहुंचाकर मुख्यमंत्री पद के दावेदारों के समर्थन में किए जा रहे प्रदर्शनों को फूट डालने वाली रणनीति करार दिया। उन्नीथन ने कहा कि वेणुगोपाल और पार्टी के वरिष्ठ नेता वी डी सतीशन और रमेश चेन्निथला मुख्यमंत्री पद पर दावा करने के योग्य हैं और समर्थक इसके लिए सार्वजनिक प्रदर्शन कर सकते हैं, लेकिन यह पार्टी अनुशासन का पालन करते हुए किया जाना चाहिए।

कासरगोड से लोकसभा सदस्य उन्नीथन ने मुख्यमंत्री के चयन के तरीके के संबंध में कहा कि न केवल पार्टी के विधायक, बल्कि संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के प्रत्येक घटक जिसमें आईयूएमएल, केरल कांग्रेस (केईसी) और क्रांतिकारी समाजवादी पार्टी (आरएसपी) शामिल हैं को अपनी राय व्यक्त करने का अधिकार है। उन्नीथन ने मुख्यमंत्री पद के मुद्दे पर इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के संबंध में पार्टी के एक विधायक द्वारा की गई कुछ टिप्पणियों की भी कड़ी आलोचना की और कहा कि टीम यूडीएफ' में इसके सभी घटक सदस्य शामिल हैं, जिन्हें इस बात पर अपने विचार व्यक्त करने का अधिकार है कि मुख्यमंत्री कौन होना चाहिए।

उन्होंने कहा,केरल में कोई भी सांसद या विधायक यह नहीं कह सकता कि लीग कांग्रेस के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी नहीं कर सकती क्योंकि आईयूएमएल यूडीएफ टीम का हिस्सा है।

दिनाकरन ने तमिलनाडु के राज्यपाल से अन्नाद्रमुक को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करने का अनुरोध किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अम्मा मक्कल मुनेत्र कषगम (एएमएमके) के प्रमुख टी टी वी दिनाकरन ने तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर से अन्नाद्रमुक नेता ई. के. पलानीस्वामी को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करने का अनुरोध किया। साथ ही उन्होंने तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) पर विधायकों की खरीद-फरोख्त का आरोप लगाया, जिसे टीवीके ने खारिज किया। इस पूरे घटनाक्रम से शुक्रवार रात राजनीतिक हलकों में हलचल मच गई।

एएमएमके महासचिव दिनाकरन ने कहा कि उन्होंने राज्यपाल को एक पत्र सौंपा है, जिसमें अन्नाद्रमुक महासचिव पलानीस्वामी को सरकार बनाने के लिए बुलाने का अनुरोध किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी पार्टी के एकमात्र निर्वाचित विधायक एस. कामराज का समर्थन भी अन्नाद्रमुक को प्राप्त है, जिसके साथ उनकी पार्टी ने 23 अप्रैल का विधानसभा चुनाव राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के तहत लड़ा था। दिनाकरन ने शुक्रवार रात लोक भवन के बाहर पत्रकारों से बातचीत में आरोप लगाया कि वह अपनी पार्टी के नवनिर्वाचित विधायक से संपर्क नहीं कर सके और ऐसा लगा कि वह ''लापता'' हो गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया, ''मुझे संदेह है कि बहुमत से दूर रहने के कारण सरकार बनाने की कोशिश में टीवीके ने विधायकों की खरीद-फरोख्त की हो सकती है।'' दिनाकरन ने यह भी दावा किया कि उन्होंने इस मुद्दे की शिकायत राज्यपाल से की है। हालांकि, टीवीके ने सरकार बनाने के लिए किसी भी प्रकार की ''खरीद-फरोख्त'' में शामिल होने के आरोपों को सिरे से खारिज किया। पार्टी ने कहा कि उसके नेता विजय इस स्तर तक नहीं गिर सकते। टीवीके ने एक वीडियो भी जारी किया, जिसमें कामराज कथित रूप से समर्थन पत्र पर हस्ताक्षर करते दिखाई दे रहे हैं। हालांकि, बाद में कामराज ने इस दावे से इनकार कर दिया। कामराज शनिवार देर रात अचानक सामने आए और पत्रकारों से कहा कि वह अन्नाद्रमुक के नवनिर्वाचित विधायकों के साथ पुडुचेरी के एक रिजॉर्ट में ठहरे हुए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि टीवीके के समर्थन में दिखाया गया उनका ''समर्थन पत्र'' फर्जी था।

विजय को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित नहीं करने के खिलाफ पूर्व आईपीएस अधिकारी ने याचिका दायर की

नई दिल्ली/चेन्नई। उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर कर एक पूर्व आईपीएस अधिकारी ने शनिवार को तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) द्वारा सबसे अधिक सीट जीतने के बावजूद राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर द्वारा टीवीके प्रमुख सी जोसेफ विजय को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित नहीं करने के कदम को चुनौती दी है।

यह याचिका भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के सेवानिवृत्त अधिकारी एम. रामसुब्रमणि द्वारा दायर की गई है। रामसुब्रमणि ने अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक और पुलिस महानिरीक्षक के रूप में कार्य किया था। उनकी याचिका में दलील दी है कि राज्यपाल का विधानसभा के बाहर बहुमत साबित करने का निर्णय असंवैधानिक है। इसमें कहा गया कि राज्यपाल टीवीके को सदन में अपना बहुमत साबित करने का अवसर देने से इनकार नहीं कर सकते। विजय के नेतृत्व वाली तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) को 234 सदस्यीय विधानसभा में 108 सीट मिली हैं जो बहुमत के लिए जरूरी 118 सदस्यों की संख्या से कम है। पांच विधायकों वाली कांग्रेस ने विजय को समर्थन देने की घोषणा की है। विजय ने सरकार बनाने की कोशिशों के तहत भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी और विदुथालाई चिरुथैगल कच्ची (वीसीके) से संपर्क किया था। तीनों दलों के सदन में दो-दो विधायक हैं।

केरल में मुख्यमंत्री पद पर फैसला अगले 24 घंटे में हो सकता है : मुरलीधरन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/नई दिल्ली। केरल में मुख्यमंत्री पद के तीन प्रमुख दावेदारों के समर्थकों द्वारा लामबंदी और सार्वजनिक प्रचार किये जाने के बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के. मुरलीधरन ने शनिवार को कहा कि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व द्वारा अगले 24 घंटे के भीतर राज्य के नए मुख्यमंत्री के बारे में अंतिम फैसला लिया जा सकता है। केरल विधानसभा चुनाव में संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) की भारी जीत के बाद वरिष्ठ नेताओं वी डी सतीशन, रमेश चेन्निथला और के सी वेणुगोपाल के समर्थकों ने अपने-अपने नेताओं को मुख्यमंत्री बनाने के लिये पोस्टर लगाए, प्रदर्शन किये और पार्टी के अंदर लामबंदी तेज कर दी है।

मुरलीधरन ने संवाददाताओं से कहा, ''दिल्ली से जो जानकारी मिल रही है, उसके अनुसार मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार पर चर्चा अगले 24 घंटे में पूरी हो जाएगी।'' उन्होंने कहा कि जनता में उत्साह जरूर है, लेकिन केवल 'फ्लेक्स बोर्ड' और रैलियों के आधार पर नेतृत्व तय नहीं होगा। मुरलीधरन ने कहा, ''मैंने आलाकमान के प्रतिनिधियों से क्या कहा, यह सार्वजनिक नहीं करूंगा। मैंने अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों की भावनाएं उन्हें बता दी हैं। जनता ने जो राय व्यक्त की, उसे स्पष्ट रूप से उनके सामने रखा गया।'' उन्होंने कहा, ''उचित समय पर निर्णय लिया जाएगा। मुख्यमंत्री के चयन में वरिष्ठता एकमात्र मानदंड नहीं है। पार्टी ने हमेशा इस मापदंड का पालन नहीं किया है। मुरलीधरन के अनुसार, अधिकतर विधायकों और सहयोगी दलों की राय भी महत्वपूर्ण होगी, क्योंकि कांग्रेस-नीत यूडीएफ सरकार किसी एक पार्टी की सरकार नहीं है। उन्होंने कहा, ''गठबंधन सहयोगियों की राय पर भी स्वाभाविक रूप से विचार करना होगा। यह एक गठबंधन सरकार है।'' मुरलीधरन की ये टिप्पणियां ऐसे समय आई हैं जब राज्य के कई हिस्सों में सतीशन के समर्थन में सार्वजनिक अभियान तेज हो गया है। इस बीच, केपीसीसी अध्यक्ष सनी जोसेफ ने नई दिल्ली में पत्रकारों से कहा कि कांग्रेस नेतृत्व के जल्द से जल्द अंतिम निर्णय पर पहुंचने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि तीनों वरिष्ठ नेताओं की बैठक कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के नई दिल्ली स्थित आवास पर हुई।

जोसेफ ने कहा, मुझे उम्मीद है कि आम सहमति बनेगी। हम शीघ्र निर्णय की अपेक्षा करते हैं। यह मामला पूरी तरह से एआईसीसी नेतृत्व पर छोड़ दिया गया है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से मुख्यमंत्री पद की उम्मीदवारी के मुद्दे पर सार्वजनिक प्रदर्शनों और फ्लेक्स बोर्ड अभियानों से दूर रहने का भी आग्रह किया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी.जे. कुरियन और कलपेट्टा के विधायक टी. सिद्दीकी ने भी चल रहे विरोध प्रदर्शनों, फ्लेक्स बोर्ड अभियानों और विभिन्न नेताओं के समर्थकों के बीच सार्वजनिक झड़पों के खिलाफ कड़ी नाराजगी व्यक्त की। कुरियन ने कहा, हर किसी को अपनी राय व्यक्त करने का अधिकार है। लेकिन फ्लेक्स बोर्ड को तोड़ना और उन पर काला तेल डालना गलत है। ये सब दबाव बनाने की रणनीति है। मुख्यमंत्री का चुनाव दबाव के जरिए नहीं किया जा सकता। सिद्दीकी ने वरिष्ठ नेताओं को सार्वजनिक तौर पर निशाना बनाए जाने पर गहरा दुख और निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा, जिन नेताओं ने अपना जीवन सार्वजनिक कार्यों के लिए समर्पित कर दिया है, उन्हें सार्वजनिक रूप से अपमानित नहीं किया जाना चाहिए। यह कांग्रेस की संस्कृति नहीं है।

कोटा के अस्पताल में दो और महिलाएं संक्रमण की चपेट में आईं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान के कोटा में सरकारी 'न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल' के स्त्री रोग वार्ड में दो और महिलाएं – शिरीन (20) तथा किरण (26) संक्रमण की चपेट में आ गई हैं और परिवार के सदस्यों का आरोप है कि स्थिति बिगड़ने के बाद मरीजों को एक निजी स्वास्थ्य केंद्र में स्थानांतरित करने के लिए मजबूर किया गया। अधिकारियों ने बताया कि अस्पताल में 'सिजेरियन ऑपरेशन' के बाद गुर्दे में संक्रमण से पीड़ित चार महिलाओं में से तीन की हालत गंभीर बनी हुई है, जबकि चौथी महिला के ठीक होने के लक्षण दिखाई दे रहे हैं। परिवार के सदस्यों के अनुसार, पांच महीने की गर्भवती शिरीन की 4 मई को अस्पताल के स्त्री रोग वार्ड में डॉक्टर नेहा द्वारा जांच की गई थी, जिन्होंने अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट के आधार पर गर्भाशय खुला होने का निदान किया और छिद्र को बंद करने के लिए टांके लगाने का सुझाव दिया।

शिरीन के चाचा मोहम्मद एजाज ने शनिवार को एक निजी अस्पताल के बाहर मीडियाकर्मियों को बताया कि शिरीन को पांच मई को अस्पताल में भर्ती कराया गया था और अगले दिन डॉ. नेहा द्वारा उसका ऑपरेशन किया गया। शिरीन का फिलहाल निजी अस्पताल में इलाज हो रहा है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन के बाद शुरुआत में उसकी हालत स्थिर थी। हालांकि, सात मई को उसे रक्तस्राव शुरू हो गया और रक्तचाप गिर गया। शिरीन की हालत लगातार बिगड़ती जा रही थी, इसलिए उसे गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में स्थानांतरित कर दिया गया और परिवार को बताया गया कि उसे संक्रमण हो गया है।

एजाज ने बताया कि बृहस्पतिवार सुबह 'न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल' के डॉक्टरों ने कथित तौर पर शिरीन को एक निजी अस्पताल में स्थानांतरित करने के लिए यह कहते हुए मजबूर किया कि एक अन्य महिला को भी इसी तरह की गंभीर स्थिति में एक निजी अस्पताल में स्थानांतरित किया गया था। उन्होंने दावा किया कि जब तक वे दूसरों से सलाह ले पाते, अस्पताल के कर्मचारियों ने कथित तौर पर शिरीन को स्त्री रोग वार्ड से बाहर निकाल दिया और उन्हें परिवार के एक सदस्य के साथ एम्बुलेंस में बिठाकर तलवंडी के एक निजी अस्पताल भेज दिया।

एजाज ने कहा, यह देखकर मुझे गहरा झटका लगा कि चिकित्सा कर्मचारियों ने इलाज करना बंद कर दिया और सचमुच हमारे मरीज को वार्ड से बाहर निकाल दिया। शिरीन की हालत बेहद गंभीर बताई जा रही है। परिवार ने बताया कि शुक्रवार शाम उसका डायलिसिस किया गया और शनिवार सुबह उसे जीवनरक्षक प्रणाली पर रखा गया।

दूसरी महिला, किरण (26), का छह मई को 'न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल' में ऑपरेशन हुआ था, जिसके बाद उसे जटिलताएं हो गईं और उसकी हालत बिगड़ गई। इसके बाद, शुक्रवार को कथित तौर पर उसे सरकारी अस्पताल से जबरन छुट्टी दे दी गई और उसी निजी अस्पताल में भर्ती करा दिया गया। हालांकि, इस मामले पर उसके परिवार से संपर्क नहीं हो सका। इस संबंध में एक अधिकारी ने कहा कि इस बीच, चार मई को अस्पताल में सी-सेक्शन कराने के बाद संक्रमण से पीड़ित तीन महिलाएं – धन्नू, सुशीला और रागनी – की हालत गंभीर बनी हुई है, जबकि चौथी महिला, चंद्रकला, खतरे से बाहर बताई जा रही है।

साइबर अपराधों के खिलाफ अंकुश में डिजिटल साक्ष्यों पर जोर देना होगा : अर्जुनराम मेघवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केन्द्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने कहा कि तकनीक के बढ़ते उपयोग के साथ-साथ अपराध एवं अपराधियों का स्वरूप भी बदल रहा है। साइबर अपराध इसी तरह का उदाहरण है। ऐसे अपराधों पर प्रभावी रूप से अंकुश लगाने के लिए हमारी पुलिस, अभियोजन एवं न्याय व्यवस्था को अधिक सशक्त होना होगा। मेघवाल शनिवार को बिरला ऑडिटोरियम में लोक अभियोजकों को साइबर क्राइम तथा दिव्यांगजनों से संबंधित प्रकरणों में अधिक संवेदनशील बनाने एवं नवीन अपराधिक विधियों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। विधिक एवं विधिक कार्य विभाग की ओर से आयोजित इस कार्यशाला में उन्होंने साइबर अपराधों में लोक अभियोजन को और प्रभावी बनाने पर बल दिया।

मेघवाल ने कहा कि तकनीक पर आधारित अपराध कई मायनों में परम्परागत अपराधों से अलग है। ऐसे अपराधों के अनुसंधान एवं अभियोजन में तकनीकी साक्ष्यों पर जोर देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि औपनिवेशिक काल की दंड सहिता को केंद्र सरकार ने भारतीय पृष्ठभूमि पर आधारित न्याय संहिता में बदलकर न्यायिक प्रक्रिया को सुलभ एवं सुगम बनाया है। इसी तरह हमें भारतीय संविधान की भावना के अनुरूप दिव्यांगजनों को आगे बढ़ाने के लिए अधिक संवेदनशील नजरिए से देखने की आवश्यकता है।

इस अवसर पर राजस्थान उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा ने कहा कि पीड़ित को त्वरित न्याय दिलाने की दिशा में लोक अभियोजकों को कानून के साथ-साथ तकनीक की जानकारी रखना भी आज के युग में अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि लोक अभियोजक न्याय प्रणाली की रीढ़ की हड्डी है, जिनके माध्यम से पीड़ित को न्याय मिलना सुनिश्चित हो पाता है।

विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि भारत अब न्याय प्रणाली के एक नए युग में प्रवेश कर रहा है, जहां दंड के स्थान पर न्याय को प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में अंग्रेजों की मानसिकता वाले पुराने औपनिवेशिक कानूनों को समाप्त कर नए कानून लागू किए गए हैं। इन कानूनों के माध्यम से लोक अभियोजकों को अपने मुवक्किल का पक्ष मजबूती से रखते हुए उन्हें त्वरित न्याय दिलाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

उन्होंने कहा कि बढ़ते साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए आमजन को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करना आवश्यक है, जो आम आदमी के लिए सुरक्षा कवच का कार्य कर सकें। राज्य पुलिस इस चुनौती को गंभीरता से लेते हुए साइबर अपराधों पर नियंत्रण के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2023 से अब तक विभाग द्वारा 54 हजार से अधिक पत्रावलियों का निस्तारण किया जा चुका है। साथ ही 56 नए न्यायालय खोले गए हैं।

महाधिवक्ता राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि संविधान केवल कानून बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा भी करता है। उन्होंने कहा कि लोक अभियोजक एक स्वतंत्र निकाय है, जिसे मिनिस्टर ऑफ जस्टिस का दर्जा प्राप्त है और जिसका दायित्व सत्य का अन्वेषण कर पीड़ित को न्याय दिलाना है। उन्होंने कहा कि कर्तव्य में चूक समाज को असुरक्षित बना सकती है। उन्होंने दिव्यांगजन के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाते हुए न्याय प्रक्रिया को और अधिक सुलभ एवं प्रभावी बनाने पर भी जोर दिया।

पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा ने कहा कि नए आपराधिक कानूनों का मुख्य उद्देश्य पीड़ित को त्वरित न्याय दिलाना है। इन नए प्रावधानों में अभियोजन निदेशालय की महत्वपूर्ण भूमिका है, जो पीड़ितों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करता है। उन्होंने पुलिस की जवाबदेही बढ़ाने के लिए डिजिटल एविडेंस पर विशेष फोकस किए जाने तथा न्यायपालिका के साथ बेहतर समन्वय एवं सहयोग स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया। विधि एवं विधिक कार्य विभाग के प्रमुख शासन सचिव राघवेन्द्र काछवाल ने आभार व्यक्त किया।

प्रसूताओं की मौत के मामले में एक वरिष्ठ चिकित्सक व दो नर्सिंगकर्मी निलंबित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सरकार ने कोटा के सरकारी अस्पताल में प्रसूताओं की मौत के मामले में प्रथम दृष्टया दोषी पाए गए एक वरिष्ठ चिकित्सक व दो नर्सिंगकर्मियों को निलंबित कर दिया है और एक चिकित्सक को बर्खास्त व दो चिकित्सकों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। राज्य सरकार ने कोटा स्थित न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल में 'सिजेरियन ऑपरेशन' के बाद प्रसूताओं की मौत और तबीयत बिगड़ने के मामले को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए त्वरित और सख्त प्रशासनिक कार्रवाई की है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मामले में निष्पक्ष एवं त्वरित जांच कर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर पूरे मामले पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और उन्होंने उपचाराधीन प्रसूताओं को बेहतर से बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। चिकित्सा शिक्षा विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि प्रारंभिक जांच में चिकित्सा प्रोटोकॉल और प्रक्रिया में गंभीर लापरवाही सामने आने पर जनरल सर्जरी विभाग के सह आचार्य डॉ. नवनीत कुमार को निलंबित कर दिया गया है।

वहीं, यूटीबी पर कार्यरत सहायक आचार्य डॉ. श्रद्धा उपाध्याय को बर्खास्त कर दिया गया है। ड्यूटी पर तैनात वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी गुरजोत कौर और निमेश वर्मा को भी कार्य में लापरवाही, चिकित्सा प्रोटोकॉल की अनुपालना में कमी और मरीजों की निगरानी में शिथिलता के कारण तत्काल प्रभाव से निलंबित कर उनका मुख्यालय जयपुर कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग के यूनिट हेड डॉ. बीएल पटीदार और डॉ. नेहा सीहरा को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है जिसमें पर्यवेक्षण की जिम्मेदारी, उपचार प्रक्रिया की निगरानी, ऑपरेशन के बाद की देखभाल और समन्वय व्यवस्था में संभावित लापरवाही के संबंध में स्पष्टीकरण मांगा गया है।

महिलाओं की मौत के मामले पर सरकार पूरी तरह गंभीर : गजेन्द्र सिंह

जयपुर। राजस्थान के स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार कोटा के सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में महिलाओं की मौत के मामले को पूरी गंभीरता से ले रही है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच में जो भी दोषी पाए जाएंगे उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कोटा के न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एनएमसीएच) में 'सिजेरियन सेक्शन' सर्जरी के बाद कथित तौर पर संक्रमण से दो महिलाओं की मौत हो गई तथा कई की स्थिति अब भी गंभीर है।

खींवसर ने यहां पत्रकारों को बताया कि अस्पताल में भर्ती एक महिला की हालत अब भी गंभीर बनी हुई है। उन्होंने कहा कि गंभीर रूप से बीमार प्रसूताओं को एयर एम्बुलेंस के ज़रिए जयपुर के एसएमएस अस्पताल में लाने की तैयारी कर ली गई थी लेकिन उनके परिवार वालों ने इससे मना कर दिया। उन्होंने बताया कि एसएमएस अस्पताल जयपुर से विशेषज्ञों की एक टीम पहले से ही कोटा में मौजूद है।

उन्होंने कहा, महिलाओं की हालत अचानक बिगड़ने के पीछे के सभी संभावित कारणों की जांच की जा रही है। बैक्टीरिया की जांच रिपोर्ट आने में लगभग 72 घंटे लगेंगे, और उसके बाद ही स्थिति ज़्यादा साफ़ हो पाएगी। मंत्री ने कहा कि जांच पूरी होने के बाद, जो भी दोषी पाए जाएंगे, उनके ख़िलाफ़ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस बीच, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आरोप लगाया कि यह घटना राजस्थान की स्वास्थ्य व्यवस्था के पूरी तरह से चरमरा जाने का संकेत है।

उन्होंने एक बयान में कहा, कोटा में दो प्रसूताओं की मौत एवं कई के बीमार होने की यह त्रासदी अचानक नहीं हुई है बल्कि यह राजस्थान के ध्वस्त होती स्वास्थ्य व्यवस्था की परिणति है। एसएमएस अस्पताल की आईसीयू में आग और खांसी की दवा से हुई मौतों जैसे गंभीर मामलों को ठंडे बस्ते में डालने का ही नतीजा है कि आज व्यवस्था में डर और संवेदनशीलता पूरी तरह खत्म हो चुकी है। गहलोत ने आरोप लगाया कि राज्य में चिरंजीवी, आरजीएचएस जैसी योजनाओं पर 'ब्रेक' लगा दिया गया है।

सवाई माधोपुर में मोबाइल फोन विवाद में 18 साल के युवक का अपहरण कर हत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले में कुछ लोगों ने कथित तौर पर मोबाइल फोन को लेकर हुए विवाद में 18 वर्षीय के एक युवक का अपहरण कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार कुण्डेरा थाना क्षेत्र के उलियाना गांव के निवासी मनकुश मीणा का शव शनिवार सुबह सेलू चौराहे के पास मिला। उसने बताया कि उसके शरीर पर चोट के निशान थे और उसके कुछ कपड़े भी गायब थे।

वृत्ताधिकारी (शहर) उदय सिंह मीणा ने बताया कि शुक्रवार शाम उसी गांव के कुछ लोग मनकुश के घर आए। उस समय परिवार के बाकी सदस्य एक शादी में गए हुए थे और घर पर केवल मनकुश व उसकी बहन थी। उन्होंने बताया कि कहासुनी के बाद वे लोग मनकुश को एक गाड़ी में बैठाकर अपने साथ ले गए। रात को जब परिवार के सदस्य घर लौटे तो मनकुश को न पाकर उन्होंने पुलिस से संपर्क किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के अधिकांश भागों में आने वाले दिनों में तापमान बढ़ने का अनुमान है। मौसम विभाग ने शनिवार को यह जानकारी दी। विभाग के अनुसार राज्य के अधिकांश भागों में आगामी दिनों में न्यूनतम व अधिकतम तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होने के आसार हैं।

साथ ही पश्चिमी राजस्थान के कुछ भागों में अगले पांच से छह दिन लू चलने की प्रबल संभावना है। इसने बताया कि शनिवार को कोटा और उदयपुर संभाग में कहीं-कहीं मेघगर्जन के साथ आंधी और बारिश हो सकती है।

एक नए पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से 11 और 12 मई को बीकानेर संभाग, शेखावाटी क्षेत्र तथा जयपुर और भरतपुर संभाग के उत्तरी भागों में कहीं-कहीं आंधी और हल्की बारिश होने का अनुमान है, जबकि शेष अधिकांश भागों में मौसम मुख्यतः शुष्क रहेगा। मौसम विभाग ने बताया कि शनिवार सुबह तक पिछले 24 घंटे की अवधि में राज्य में कहीं-कहीं आंधी के साथ हल्की बारिश हुई। सर्वाधिक पांच मिलीमीटर बारिश नागौर जिले के मेड़ता में दर्ज की गई और अधिकतम तापमान फलौदी में 44.8 डिग्री सेल्सियस रहा।

जयपुर डिस्कॉम की अनूठी पहल, अभियंताओं ने दी विभागीय नियमों की 'परीक्षा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर सिटी सर्किल के ऑपरेशन एंड मेंटेनेंस से जुड़े सहायक अभियंताओं और अधिशासी अभियंताओं ने शनिवार को विभागीय नियमों एवं परिपत्रों से संबंधित प्रश्नपत्र को हल किया। इसके लिए शनिवार को विद्युत भवन में उनकी परीक्षा ली गई। डिस्कॉम्स चेयरमैन सुश्री आरती डोगरा की पहल पर ली गई इस परख का उद्देश्य अभियंताओं में नियमों, प्रक्रियाओं और समय-समय पर जारी होने वाले सर्कुलर्स के प्रति जानकारी एवं समझ बढ़ाना है। डिस्कॉम प्रबंधन का मानना है कि उपभोक्ताओं को बेहतर सेवा देने के लिए फील्ड में तैनात अभियंताओं का अपडेटेड रहना जरूरी है।

परीक्षा में जयपुर शहर वृत्त उत्तर और वृत्त दक्षिण में कार्यरत 44 सहायक अभियंता एवं अधिशाषी अभियंता सम्मिलित हुए। करीब आधे घंटे की समय सीमा में अभियंताओं ने 'टर्म्स एंड कंडीशंस फॉर सप्लाई' (ढउजड) तथा इसमें समय समय पर हुए संशोधनों, टैरिफ आदेश, विभागीय स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (ड्जझ) और नवीनतम दिशा-निर्देश, रूफ टॉप सोलर और मीटरिंग के तकनीकी और विधिक नियम से संबंधित प्रश्न हल किए। इस परख से अभियंताओं में नियमों और विभागीय सर्कुलर्स के प्रति समझ बढ़ेगी।

एसएमएस मेडिकल कॉलेज के छात्रावास में एमबीबीएस छात्र का शव मिला

जयपुर। जयपुर के सवाई मान सिंह (एमएमएस) मेडिकल कॉलेज के एक छात्रावास में एमबीबीएस के तृतीय वर्ष के एक छात्र ने कथित तौर पर फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार अलवर निवासी नितिन यादव का शव 'न्यू आर डी हॉस्टल' (पीजी) की आठवीं मंजिल की सीढ़ियों पर फंदे से लटका मिला। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को उतरवाया। थाना प्रभारी राजेश शर्मा ने बताया कि यादव जयपुर में बाहर फ्लैट लेकर रहता था और शुक्रवार रात 'एस के मेनन हॉस्टल' (यूजी) में अपने दोस्तों के पास पढ़ने के लिए आया था। उन्होंने कहा, यादव वहां से करीब रात दो बजे अपने फ्लैट पर जाने की बात कहकर निकला और न्यू आर डी हॉस्टल (पीजी) में पहुंच गया। शनिवार को नितिन का एक परीक्षा का पेपर भी था। घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मंडी पहुंचे सभी किसानों के गेहूं की तुलाई सुनिश्चित की जाए : ओम बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शुक्रवार को कोटा के सीएडी सभागार में हुई बैठक में भारतीय खाद्य निगम , राजफैड, तिलमसंघ, एनसीसीएफ आदि को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर गेहूं खरीद के लिए 25 प्रतिशत अतिरिक्त टोकन जारी करने और मंडियों में पड़े गेहूं के उठाव के लिए आगामी दिनों में पर्याप्त संख्या में रेक लगाने के निर्देश दिए। बिरला कोटा-बूंदी क्षेत्र में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर गेहूं खरीद की स्थिति की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एफसीआई सहित सभी खरीद एजेंसियां यह सुनिश्चित करें कि एमएसपी पर बेचने के लिए गेहूं लेकर मंडी एवं खरीद केन्द्र पर आए किसी भी किसान को खाली हाथ नहीं लौटना पड़े और उसके गेहूं की तुलाई हो। उन्होंने निर्देश दिए कि खरीद का वर्तमान लक्ष्य पूरा होने के बाद भी अतिरिक्त गेहूं खरीद के लिए बारदाना एवं भण्डारण की समुचित व्यवस्था रखी जाए। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि कोटा में शुक्रवार को एक रेक लगेगी और दो दिन बाद एक और रेक लगाई जाएगी, बूंदी में शनिवार को एक रेक लगाई जाएगी। बिरला ने एक दिन छोड़कर रेक की व्यवस्था करने और एक सप्ताह में गेहूं का उठाव करवाने के निर्देश दिए। बिरला ने कहा कि गेहूं की खरीद लक्ष्य से अधिक होने की संभावना को देखते हुए गेहूं के उठाव एवं गोदामों में अनलोडिंग की गति बढ़ाई जाए। उन्होंने कहा कि एफसीआई के गोदामों के बाहर गाड़ियां खड़ी नहीं रहे, इसके लिए एफसीआई गोदामों में लेबर बढ़ाई जाए। लोकसभा अध्यक्ष ने निर्देश दिए कि अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि कोटा-बूंदी में बारदाने की कोई कमी नहीं हो । उन्होंने सभी खरीद एजेंसियों को किसानों का भुगतान समय पर करने के निर्देश भी दिए। बिरला ने जिला रसद अधिकारी को राशन की दुकानों पर गेहूं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए जिससे किसी भी राशन डीलर के यहां लाईनें नहीं लगे।

शुभकामनाएं

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को कोलकाता में पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित इस समारोह में उन्होंने सुवेंदु अधिकारी को मुख्यमंत्री एवं अन्य विधायकों को मंत्री पद की शपथ लेने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

नाहरगढ़ जैविक उद्यान के बाघ शावक स्वस्थ : अधिकारी

जयपुर। जयपुर के नाहरगढ़ जैविक उद्यान की टाइगर सफारी क्षेत्र में हाल ही में जन्मे दो बाघ शावक स्वस्थ हैं और चिकित्सकों की विशेष मेडिकल निगरानी में हैं। वन अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बाघिन 'भक्ति' ने 18 अप्रैल को इन शावकों को जन्म दिया था।

हर पदक के पीछे संघर्ष और कभी हार नहीं मानने वाले संकल्प की एक कहानी होती है : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खेल की भावना और अनुशासन के महत्व को रेखांकित करते हुए शनिवार को कहा कि हर 'पदक' के पीछे संघर्ष और कभी हार नहीं मानने वाले संकल्प की एक कहानी होती है।

योगी आदित्यनाथ शनिवार को पुलिस द्वारा आयोजित द्वितीय अखिल भारतीय पुलिस बैडमिंटन क्लस्टर प्रतियोगिता की शुरुआत करने के बाद आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, '''हर पदक के पीछे संघर्ष और कभी हार नहीं मानने वाले संकल्प की एक कहानी होती है। हमारी मेहनत हमें लक्ष्य तक पहुंचाती है। जितना पसीना बहेगा जीत उतनी बड़ी होगी। खेल हमें गिरना, उठना और फिर जीतना सिखाता है। ''

योगी आदित्यनाथ ने प्रतियोगिता का जिक्र करते हुए कहा कि इसका आयोजन पहली बार उप्र में हो रहा है और पांच दिवसीय इस टूर्नामेंट में 1400 खिलाड़ियों को भाग लेने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा, ''प्राचीन काल से भारत में खेल और खेलकूद की गतिविधियों को प्रोत्साहन देने की परंपरा रही है। हमारी परंपरा यह मानती रही है कि जीवन के जितने भी साधन हैं, वह स्वस्थ शरीर से ही संभव हो सकते हैं। '' योगी ने जोर देकर कहा, ''सभी साधनों को प्राप्त करने के लिए शरीर को स्वस्थ होना जरूरी है और व्यक्ति दैनिक कार्यक्रमों के साथ खेलकूद की गतिविधियों को हिस्सा बनाएं। '' उन्होंने कहा, ''प्राचीन काल से ही अपने यहां कबड्डी, कुश्ती, खो खो, मलखंभ, धनुष विद्या, शतरंज, तलवारबाजी ये सभी जीवन का एक हिस्सा रहा है। हमारे यहां अखाड़ा शब्द ही इस बात के लिए दिया गया है कि ज्ञान की परंपरा और शरीर को स्वस्थ रखा जाए। '' मुख्यमंत्री ने कहा, ''25 करोड़ की आबादी इस राज्य में निवास कर रही है और इनमें 56 प्रतिशत युवा हैं। जनसंख्या जितनी स्वस्थ होगी उतना ही बेहतर परिणाम मिलेगा।'

मोदी, शाह ने 'तृणमूल कांग्रेस के हमलों के पीड़ितों' को श्रद्धांजलि दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बीते कुछ वर्षों में तृणमूल कांग्रेस के कथित हमलों में मारे गए सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं को शनिवार को श्रद्धांजलि दी और कहा कि उनके बलिदान को शक्ति के स्रोत के रूप में याद किया जाएगा।

'ब्रिगेड परेड ग्राउंड' में मंच के पास भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उन कार्यकर्ताओं की याद में एक अस्थायी स्मारक बनाया गया, जिनकी हत्या कर दी गई थी। इसी मैदान पर शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली नई सरकार ने शपथ ली। स्मारक में एक बड़े 'बोर्ड' पर ''शहीदों'' के नाम और उनके जिले लिखे गए थे। मोदी ने अपने 'एक्स' हैंडल पर स्मारक की तस्वीर साझा करते हुए कहा, ''साहसी भाजपा कार्यकर्ताओं को श्रद्धांजलि! आज कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में पश्चिम बंगाल में पहली बार भाजपा सरकार बनने के उपलक्ष्य में आयोजित उत्सव के बीच भी, उन सभी भाजपा कार्यकर्ताओं को याद किया जिन्होंने स्वयं से बड़े एक आदर्श की सेवा में अपने प्राणों का बलिदान दिया।'' उन्होंने कहा कि उनका त्याग पार्टी की यात्रा में सदैव अमिट रूप से अंकित रहेगा। मोदी ने कहा, ''उनका साहस हम सभी के लिए हमेशा प्रेरणा और शक्ति का स्रोत बना रहेगा।

शाह ने भी कहा कि यह स्मारक ''शपथ ग्रहण समारोह स्थल पर उपस्थित प्रत्येक कार्यकर्ता के हृदय में गहरी भावनाएं जगा रहा है।'' उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि उन पुण्यात्माओं का त्याग, संघर्ष और बलिदान आज सार्थक होने जा रहा है।

शाह ने स्मारक का एक वीडियो साझा करते हुए पोस्ट में कहा, ''राष्ट्र और संगठन के लिए अपना सर्वस्व अर्पित करने वाले उन सभी हुतात्माओं को कोटि-कोटि नमन।''

भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष सामिक भट्टाचार्य ने दावा किया कि 2021 के चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद हुई हिंसा में तृणमूल कांग्रेस के गुंडों ने 300 से अधिक भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्या कर दी थी।

राज्यसभा सदस्य भट्टाचार्य ने कहा, ''बंगाल में बदलाव लाने का सपना देखने की हिम्मत करने के कारण उनकी हत्या कर दी गई। हम आज के दिन उनके बलिदान को नहीं भूल सकते।''

अखिलेश यादव ने मतपत्र से चुनाव कराने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव ने एक बार फिर देश में मतपत्र के जरिए चुनाव कराने की मांग उठाई और ब्रिटेन में हाल में हुए चुनावों का हवाला देते हुए शनिवार को कहा कि भारत में भी मतपत्र से मतदान होना चाहिए।

लखनऊ स्थित समाजवादी पार्टी कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत में यादव ने कहा, कल एक विकसित देश में चुनाव हुए। इंग्लैंड और ब्रिटेन में गुप्त मतदान मतपत्र के जरिए हुआ। जब अमेरिका, जापान, जर्मनी और ब्रिटेन जैसे देश मतपत्र से चुनाव करा सकते हैं, तो भारत में भी यह व्यवस्था लागू होनी चाहिए। यह समाजवादियों की पुरानी मांग है। उन्होंने कहा, आपने (भारतीय जनता पार्टी की ओर इशारा करते हुए) हमें सिर्फ ईवीएम से हराया है। लेकिन हम उन्हें ईवीएम से ही फिर हराएंगे और सत्ता से हटाएंगे।

अखिलेश यादव का यह बयान ऐसे समय में आया है जब ब्रिटेन में स्थानीय परिषदों तथा स्कॉटलैंड और वेल्स की संसदों के चुनावों में मतगणना जारी है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर ने शुक्रवार को स्थानीय चुनावों में लेबर पार्टी के खराब प्रदर्शन की जिम्मेदारी स्वीकार की थी। यादव ने पार्टी कार्यकर्ताओं से संविधान और लोकतंत्र को मजबूत करने का आह्वान भी किया।

वर्ष 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, हम सभी को बहुस्तरीय चुनाव माफिया से लड़ना होगा। लोकतंत्र, संविधान और संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता बचाने के लिए सबको मिलकर काम करना होगा। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी और द्रमुक नेता एम के स्टालिन के साथ अपनी तस्वीर साझा किए जाने तथा सपा-कांग्रेस गठबंधन टूटने की अटकलों पर यादव ने कहा, यह भाजपा की फैलायी नकारात्मकता है। भाजपा केवल विभाजन और संघर्ष की राजनीति करती है।

सपा प्रमुख ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर पूंजीवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाते हुए कहा, भाजपा जितना पैसा चुनाव में खर्च कर सकती है, उतना कोई दल नहीं कर सकता। लेकिन इस बार जनता बदलाव लाएगी।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में केंद्रीय बलों की संभावित तैनाती पर उन्होंने कहा, उत्तर प्रदेश में जो केंद्रीय बल आएंगे, वे उत्तर-पूर्व और दक्षिण भारत से होंगे। बंगाल चुनाव में उत्तर प्रदेश और बिहार के लोग वहां भेजे गए थे। पहली बार केंद्रीय बलों को चुनाव के बाद 15 दिन की छुट्टी दी गई है।

भाजपा पर निशाना साधते हुए यादव ने कहा कि पार्टी के गठन के समय उसके भीतर इस बात पर बहस थी कि वह समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष रास्ते पर चलेगी या नहीं।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, भाजपा के गठन के समय पारित प्रस्तावों में समाजवादी विचारधारा और धर्मनिरपेक्षता की बात कही गई थी, लेकिन वास्तव में पार्टी सांप्रदायिक और पूंजीवादी साबित हुई। खुद को समाजवादी दिखाने के लिए उन्होंने सबसे पहले मंच पर जयप्रकाश नारायण की तस्वीर लगाई।

तेल कंपनियों के घाटे का जिक्र करते हुए यादव ने कहा, सरकारी तेल कंपनियों के घाटे का बोझ आखिरकार जनता पर डाला जाएगा। गैस सिलेंडर की कीमतें बढ़ाई जा चुकी हैं। सरकार नहीं, बल्कि आम लोग इसकी कीमत चुकाएंगे, क्योंकि मुनाफाखोरी कम नहीं होने दी जा रही है।

मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने राज्यपाल से की शिष्टाचार भेंट, मंत्रिपरिषद विस्तार की अटकलें तेज

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार शाम राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से लखनऊ स्थित 'जन भवन' में शिष्टाचार भेंट की। इस मुलाकात के बाद राज्य में मंत्रिपरिषद विस्तार की अटकलें तेज हो गई हैं।

'जन भवन' की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्यपाल से मुलाकात कर उन्हें श्री लालचंद राम द्वारा लिखित पुस्तक भारतीय ज्ञान परंपरा अवधारणा भेंट की। राज्यपाल से मुख्यमंत्री की इस मुलाकात के राजनीतिक निहितार्थ निकाले जा रहे हैं। राज्य में लंबे समय से मंत्रिपरिषद विस्तार की चर्चाएं चल रही हैं और माना जा रहा है कि इस पर जल्द निर्णय हो सकता है।

पश्चिम बंगाल और असम समेत कई राज्यों में हालिया राजनीतिक घटनाक्रमों के बीच राजनीतिक विश्लेषकों का अनुमान है कि उत्तर प्रदेश सरकार में भी जल्द विस्तार संभव है। उत्तर प्रदेश की 403 सदस्यीय विधानसभा में अधिकतम 60 मंत्री हो सकते हैं, जबकि वर्तमान में कुछ मंत्री पद रिक्त बताए जा रहे हैं। अगले वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव के मद्देनजर मंत्रिपरिषद विस्तार को राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

बिहार के वैशाली में रेलवे सिग्नल पर छिपा हुआ कैमरा लगा पाया गया

हाजीपुर/भाषा। बिहार के वैशाली जिले में रेलवे सिग्नल पर एक संदिग्ध कैमरा लगा हुआ देखकर सुरक्षाकर्मी हरकत में आ गए। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। सिम कार्ड युक्त एक छिपा हुआ कैमरा सराय रेलवे स्टेशन के पास एक रेलवे सिग्नल पर लगा हुआ पाया गया था। मुजफ्फरपुर खंड की राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मुजफ्फरपुर जीआरपी की पुलिस अधीक्षक बीना कुमारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''शुक्रवार को सराय स्टेशन के पास एक रेलवे सिग्नल पर एक संदिग्ध कैमरा लगा हुआ पाया गया। मामले की जांच जारी है। फोरेंसिक विशेषज्ञ उपकरण की जांच कर रहे हैं। कैमरा लगाने वालों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।'' हालांकि, पुलिस अधीक्षक ने उन खबरों का खंडन किया जिनमें दावा किया गया था कि बरामद किया गया कैमरा राज्य के बाहर से नियंत्रित किया जा रहा था। उन्होंने कहा, ''जांचकर्ताओं को इस संबंध में अब तक कोई सबूत नहीं मिला है।''

मदरसों के छात्र-छात्राओं को संविधान और कानून की शिक्षा देने की कवायद

लखनऊ/भाषा। मदरसों के पाठ्यक्रम संबंधी सुधार के लिए सरकार के प्रयासों के बीच इन संस्थानों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को देश के संविधान और कानून के बारे में बाकायदा पढ़ाने की कवायद शुरू की गई है। इसके लिए शनिवार को एक किताब जारी की गई जिसे पूरे देश में मदरसों के पाठ्यक्रम में शामिल करने की कोशिश की जाएगी। जमीयत उलेमा-ए-हिंद उत्तर प्रदेश के विधिक सलाहकार मौलाना काब रशीदी द्वारा लिखित 'भारतीय संविधान, एक वैचारिक अध्ययन' शीर्षक वाली इस किताब को मदरसों के 'सौम' दर्जे से पढ़ाया जाएगा जो आमतौर पर इंटरमीडिएट के समकक्ष माना जाता है। यह किताब पांच खंडों में होगी और इसका 10 भारतीय भाषाओं में अनुवाद भी कराया जाएगा ताकि यह पूरे मुल्क में पहुंचे। रशीदी ने लखनऊ में एक संवाददाता सम्मेलन में इस किताब का औपचारिक विमोचन करने के बाद संवाददाताओं से कहा कि यह पुस्तक भारत के संविधान और विभिन्न कानूनों की मूलभूत जानकारी के साथ-साथ उच्चतम न्यायालय समेत विभिन्न अदालतों के ऐतिहासिक आदेशों को खुद में समेटे है।

बिहार: गोलीबारी में घायल सुल्तानगंज नगर परिषद के सभापति की मौत

पटना/भाषा। सुल्तानगंज नगर परिषद के सभापति राजकुमार ने शनिवार को पटना के एक अस्पताल में दम तोड़ दिया। कुछ दिन पहले उनके कार्यालय में उन्हें गोली मारी गई थी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि 28 अप्रैल को तीन हथियारबंद लोग कथित तौर पर भागलपुर जिले में उनके कार्यालय में घुस गए और गोलीबारी शुरू कर दी। घटना में राजकुमार और कार्यपालक अधिकारी कृष्ण भूषण कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। कुमार की अस्पताल में मृत्यु हो गई, जबकि राजकुमार को बेहतर इलाज के लिए पटना के अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्होंने बताया कि अस्पताल में भर्ती कराए जाने के बाद से राजकुमार की हालत गंभीर बनी हुई थी। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने राजकुमार के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में चौधरी ने राजकुमार को ''सरल और मिलनसार व्यक्ति'' बताया, जो क्षेत्र में बेहद लोकप्रिय थे और हमेशा जनता के लिए सुलभ थे। बयान में कहा गया है, ''उनके असामयिक निधन से राजनीतिक और सामाजिक जगत को अपूरणीय क्षति हुई है।''

सुब्रत गुप्ता प. बंगाल के मुख्यमंत्री के सलाहकार नियुक्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के सेवानिवृत्त अधिकारी सुब्रत गुप्ता को पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी का सलाहकार नियुक्त किया गया। शनिवार को जारी अधिसूचना में यह जानकारी दी गई।

अधिसूचना के मुताबिक, 1990 बैच के अधिकारी गुप्ता को हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनावों से पहले हुए विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त किया गया था।

एक अधिकारी ने बताया, सुब्रत गुप्ता के व्यापक अनुभव से नई सरकार को नीति समन्वय और शासन संबंधी मामलों में मदद मिलने की उम्मीद है।

एक अन्य अधिसूचना के अनुसार, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नई सरकार ने आईएएस अधिकारी शांतनु बाला को मुख्यमंत्री का निजी सचिव भी नियुक्त किया।

अधिसूचना में बताया गया कि 2017 बैच के अधिकारी बाला इससे पहले दक्षिण 24 परगना के अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट थे।

एक अन्य अधिकारी ने बताया, बाला की नियुक्ति सरकार परिवर्तन के बाद मुख्यमंत्री कार्यालय के पुनर्गठन का हिस्सा है।

अधिसूचनाओं के अनुसार, दोनों अधिकारियों को तत्काल अपने नए कार्यभार संभालने के लिए कहा गया है।

ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल को अपराधियों के हवाले किया : दानिश आजाद अंसारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बलिया/भाषा। उत्तर प्रदेश के अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी ने पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए शनिवार को आरोप लगाया कि ममता ने राज्य को पिछड़ेपन और अपराध के रास्ते पर धकेल दिया।

बलिया जिले के सुखपुरा में पत्रकारों से बातचीत में अंसारी ने कहा कि ममता बनर्जी ने अपराधियों को तृणमूल कांग्रेस का नेता बना दिया। उन्होंने कहा कि 2017 में भाजपा की सरकार बनने से पहले उत्तर प्रदेश की स्थिति भी पश्चिम बंगाल जैसी थी, लेकिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अपराध पर प्रभावी नियंत्रण कर प्रदेश को भयमुक्त बनाया। मुस्लिम समाज को तुष्टीकरण की राजनीति नहीं, बल्कि समानता, अधिकार, शिक्षा और रोजगार की आवश्यकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस दिशा में न तो ममता बनर्जी ने काम किया और न ही उत्तर प्रदेश में सपा की पूर्ववर्ती सरकार ने। तृणमूल कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल मुसलमानों को गुमराह कर उनका केवल राजनीतिक इस्तेमाल करते हैं। अंसारी ने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी बिना किसी भेदभाव के सभी वर्गों को समान अवसर देने के लिए कार्य कर रही है।

बंगाल के लोग मुझसे भी ज्यादा खुश हैं: शुभेंदु की मां ने बेटे के मुख्यमंत्री बनने पर कहा

कांठी (पश्चिम बंगाल)/भाषा। पश्चिम बंगाल के नए मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की मां गायत्री अधिकारी ने शनिवार को कहा कि राज्य में भाजपा की पहली सरकार की बागडोर उनके बेटे के हाथों में होने से प्रदेश के लोग उनसे भी अधिक खुश है। शुभेंदु और भाजपा के पांच अन्य विधायकों ने शनिवार को कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व और राजग शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की उपस्थिति में शपथ ली। अपने बेटे के मुख्यमंत्री बनने पर गर्व व्यक्त करते हुए गायत्री ने कहा कि वह चाहती हैं कि उनका पुत्र यह सुनिश्चित करे कि आरजी कर मेडिकल कॉलेज दुष्कर्म एवं हत्या मामले में पीड़िता को सच्चा न्याय मिले।

अपने बेटे के संघर्ष को याद करते हुए उन्होंने कहा कि पिछली विधानसभा में विपक्ष के नेता रहे शुभेंदु को तीन-चार बार जानलेवा हमलों का सामना करना पड़ा था। शुभेंदु की मां ने कहा, ''मैं बहुत खुश हूं, लेकिन बंगाल की जनता मुझसे भी ज्यादा खुश है।'' शुभेंदु की अथक मेहनत का जिक्र करते हुए उनकी मां ने कहा, ''उन्होंने अपने पिता से ही जुझारू भावना को आत्मसात किया है, जिसकी वजह से वह आज इस मुकाम पर पहुंचे हैं। उनके पिता भी ऐसे ही हैं।''

ममता ने विपक्षी दलों से भाजपा के खिलाफ 'संयुक्त मंच' बनाने की अपील की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में हालिया विधानसभा चुनाव के बाद सत्ता में आई भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का मुकाबला करने के लिए शनिवार को सभी विपक्षी दलों से एक ''संयुक्त मंच'' बनाने के वास्ते एकजुट होने की अपील की।

पूर्व मुख्यमंत्री ने विपक्षी दलों से जुड़े सभी छात्र संघों और गैर सरकारी संगठनों से भी भाजपा के खिलाफ एकजुट होने का आह्वान किया। बनर्जी ने कहा, ''मैं सभी विपक्षी दलों, जिनमें वामपंथी और धुर-वामपंथी दल शामिल हैं, से भाजपा के खिलाफ एक संयुक्त मंच बनाने के लिए एकजुट होने का आह्वान करती हूं।'' उन्होंने राष्ट्रीय दलों से भी इसमें शामिल होने की अपील की। तृणमूल प्रमुख ने कहा कि अगर कोई भी राजनीतिक दल इस संबंध में उनसे बातचीत करना चाहता है तो वह उससे बात करने के लिए तैयार हैं।

रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती पर कालीघाट स्थित अपने आवास के सामने एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, ''यह सोचने का समय नहीं है कि दुश्मन का दुश्मन मेरा दोस्त है, हमारा पहला दुश्मन भाजपा है।'' उन्होंने दावा किया कि विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद राज्य भर में तृणमूल कार्यकर्ताओं और समर्थकों को प्रताड़ित किया जा रहा है। बनर्जी ने कहा, ''कई जगहों पर गुंडागर्दी हो रही है, भाजपा में बुरे तत्व घुस गए हैं।'' पूर्व मुख्यमंत्री ने दावा किया कि 2011 में सत्ता में आने के बाद उन्होंने किसी भी व्यक्ति पर अत्याचार नहीं होने दिया।

पुरी जगन्नाथ मंदिर के 'रत्न भंडार' में वस्तुओं को सूचीबद्ध करने का काम 11 मई को फिर से शुरू होगा

पुरी/भाषा। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन ने शनिवार को बताया कि पुरी मंदिर के रत्न भंडार में मौजूद वस्तुओं को सूचीबद्ध करने की प्रक्रिया 11 मई से फिर से शुरू होगी और ओडिशा सरकार द्वारा मंजूर मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) का पालन करते हुए दो दिनों तक जारी रहेगी। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) के मुख्य प्रशासक अरबिंद पाधी ने बताया कि भगवान की चंदन यात्रा के कारण रत्न भंडार में वस्तुओं को सूचीबद्ध करने के प्रक्रिया कुछ दिनों के लिए रोक दी गई थी। पाधी ने कहा, चूंकि चंदन यात्रा रविवार को समाप्त हो रही है, इसलिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का पालन करते हुए 11 और 12 मई को रत्न भंडार में मौजूद वस्तुओं को सूचीबद्ध करने की प्रक्रिया फिर से शुरू करने का निर्णय लिया गया है। राज्य सरकार की मंजूरी के बाद 48 वर्षों के अंतराल के बाद 25 मार्च, 2026 को 12वीं शताब्दी के रत्न भंडार में मौजूद वस्तुओं को सूचीबद्ध करने का कार्य शुरू हुआ था।

अधिकारी ने बताया, चलंती भंडार (दैनिक उपयोग के आभूषण) और 'बाहर भंडार' (त्यौहारी के दौरान पहने जाने वाले आभूषण) में रखे आभूषणों व कीमती वस्तुओं की सूची अब तक पूरी हो चुकी है जबकि 'भीतर भंडार' (आंतरिक कक्ष, जहां कीमती वस्तुएं रखी जाती हैं) में मौजूद वस्तुओं की गिनती जारी है। चंदन यात्रा के कारण इसे अस्थायी रूप से रोक दिया गया था। मुख्य प्रशासक ने बताया कि पिछले नौ दिनों के दौरान अब तक 57 घंटे और आठ मिनट तक सूची तैयार करने का कार्य किया गया और इस दौरान आंतरिक कक्ष में रखी लगभग 120 वस्तुओं की गिनती की गई। यह कुल सूची कार्य का 20 प्रतिशत हो सकता है। रत्नविज्ञानी, सुनार और अन्य विशेषज्ञ वस्तुओं को सूचीबद्ध करने की प्रक्रिया में जुटे हैं, और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए प्रत्येक वस्तु की फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी और '3डी मैपिंग' की जा रही है।

अनुकूल रॉय गेंदबाजी के साथ बल्ले से भी देना चाहते है प्रभावी योगदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। अनुकूल रॉय ने कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए इस सत्र में धीरे-धीरे लेकिन बेहद प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए खुद को टीम के अहम खिलाड़ियों में शामिल कर लिया है। टीम ने भी अनुकूल की बढ़ती भूमिका के साथ खराब शुरुआत के बाद शानदार वापसी की है।

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ बाएं हाथ के इस झारखंड के हरफनमौला ने पथुम निसंका और ट्रिस्टन स्टब्स के अहम विकेट चटकाए और 31 रन देकर दो विकेट हासिल किए। केकेआर ने 143 रन के लक्ष्य को महज 14.2 ओवर में हासिल कर लगातार चौथी जीत दर्ज की और प्लेऑफ की उम्मीदें मजबूत कर लीं। अनुकूल ने अपनी स्पिन गेंदबाजी से काफी प्रभावित किया है, लेकिन वह बल्लेबाजी में भी और बेहतर प्रदर्शन करना चाहते हैं और मध्यक्रम में अधिक जिम्मेदारी लेना चाहते हैं। इस 27 वर्षीय इस खिलाड़ी ने 'पीटीआई' को दिए साक्षात्कार में कहा कि वह दोनों भूमिकाओं के लिए खुद को समान रूप से तैयार रखते हैं और जरूरत पड़ने पर योगदान देने के लिए मानसिक रूप से तैयार रहते हैं। उन्होंने कहा, अगर टीम पहले बल्लेबाजी करे तो मैं ज्यादा से ज्यादा रन जोड़ने की कोशिश करता हूं और गेंदबाजी करते समय रन रोकने और विकेट लेने पर ध्यान देता हूं, जिससे टीम का दबदबा बना रहे।

2018 की अंडर-19 विश्व कप विजेता भारतीय टीम के सदस्य रह चुके अनुकूल ने उस टूर्नामेंट में 14 विकेट लिए थे और संयुक्त रूप से सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बने थे। उस टीम में शुभमन गिल और अभिषेक शर्मा भी शामिल थे। आईपीएल से पहले उन्होंने झारखंड के लिए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन किया, जहां उन्होंने 303 रन और 18 विकेट लेकर 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' का खिताब जीता। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ रिंकू सिंह के साथ उनकी साझेदारी और पारी के अंत में खेली गई उपयोगी पारी भी टीम के लिए अहम साबित हुई थी। उस मुकाबले में उन्होंने 16 गेंदों पर नाबाद 29 रन बनाए थे।

अनुकूल ने माना कि उन्हें नंबर छह या सात नंबर पर बल्लेबाजी करना सबसे पसंद है और वह फिनिशर की भूमिका में सहज महसूस करते हैं, लेकिन टीम की जरूरत के अनुसार ऊपर खेलने के लिए भी तैयार रहते हैं। उन्होंने कहा, आम तौर पर केकेआर में मुझे स्थिति के अनुसार बल्लेबाजी के लिए भेजा जाता है, लेकिन अभी तक बल्ले से मेरा प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है। उन्होंने आगे कहा, मेरी पसंदीदा बल्लेबाजी पोजिशन नंबर छह या सात है। मैं शुरू से ही इसी स्थान पर खेलता आया हूं, लेकिन अगर टीम मुझे ऊपर भेजती है तो मैं उसके लिए भी तैयार हूं।

सुविचार

वाणी में भी अजीब शक्ति होती है, कड़वा बोलने वाले का शहद भी नहीं बिकता, और मीठा बोलने वाले की मिर्ची भी हाथों-हाथ बिक जाती है।

ट्वीट

एक अच्छे इत्तेफ़ाक से, पश्चिम बंगाल में पहली इगझ सरकार का शपथ ग्रहण समारोह गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती, पोचिशे बोइशाख को हुआ। समारोह में गुरुदेव टैगोर को श्रद्धांजलि दी गई।

-नरेन्द्र मोदी

आज पश्चिम बंगाल में असम के जाने वाले मुख्यमंत्री माननीय श्री हिमंत बिस्वा सरमा जी से मुलाकात की और असम में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक जीत और लोगों के अपार विश्वास के लिए उन्हें दिल से बधाई और शुभकामनाएं दीं!

-भजनलाल शर्मा

कहानी

जीवन की सांझ

प्रभा पारीक

'मैं जब इस दौर से गुजरी थी, तब मेरे बच्चे बहुत छोटे थे। मैं संयुक्त कुटुम्ब में थी। मुझे भिन्न परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। सच है, जिन्हें हम अपना समझते हैं, जिनके संबल की आशा हमें होती है, उन्हीं की नजरों में जब हम बेकार समझे जाने लगें, तब मन का आहत होना स्वाभाविक है। मेरी भी संयुक्त कुटुम्ब में रहने की आदत हो गई थी। मुझे भी संयुक्त कुटुम्ब छोड़कर इन परिस्थितियों में से पुत्री के साथ रहने इसलिये आना पड़ा कि परिवार में जो मेरे हमउम्र थे, वो स्वयं ही अपनी संतानों पर निर्भर हो गए थे।

चलिए, आज से हम अपना-अपना स्थान बदलकर सोचें, दोनों रिश्तों के साथ नई पीढ़ी के व्यवहार के विषय में। आपको पता है, जंवाई के मुंह से जो बात अच्छी नहीं लगती, वह बेटे के मुंह से अच्छी हो जाती है, और बेटी के मुंह से जो बात ठीक लगती है, वह बहू के मुंह से कड़वी ज़हर समान लगती है।' 'इसलिए हमें आपस में एक-दूसरे के संस्कारों पर अंगुली उठाने के बजाय, एक साथ एक-दूसरे का सहारा बनना है। हमें बच्चों का भी सहारा बने रहना है। आज हम बच्चों की किसी जिम्मेदारी को उठा लेंगे, तो कल बच्चे हमें संभाल ही लेंगे। इसलिए भगवान के लिए गुस्सा त्याग दो और अपनी अर्चना सखी की बात मान लो।'

अर्चना जी इधर-उधर मुझे ही ढूंढ़ रही थीं। एक बार मन किया हाथ हिला कर बता दूं कि मैं यहां पर बैठी हूं बेचारी, वो कौन-सी जवान हैं, मेरी उम्र की महिला ही तो हैं। चल-चल कर हलकान होंगी, मुझे ही तो ढूंढ़ने निकली हैं, अपनी परेशानी के बावजूद पूरा प्रयास तो करेगी ही, फिर चाहे घुटनों पर घंटों मालिश करती रहें। पर कुछ सोचकर मैं चुपचाप बैठी रही, क्योंकि मेरा आवेश अभी मुझ पर हावी था। पर किसी तरह उन्होंने अंत में मुझे ढूंढ़ ही लिया था। मैंने एक विरक्ति भरी नजर से उन्हें देखा और जैसे थीं, वैसे ही बैठी रही।

वो आकर मेरे पास धम्म से बैठी, अर्चना जी अपनी थकान और उतरती चढ़ती सांसों को संयत करने के प्रयास में लगी थीं। फिर उन्होंने धीरे से मेरा हाथ अपने हाथ में लिया और सहलाने लगीं। कुछ समय बाद बोलीं, 'जा रही हैं आप?' 'पर कहां?' और उनकी बात पूरी होने से पहले ही मैंने बोल पड़ी, 'जहां मेरा मन करेगा।'

उनका स्नेह भरा स्पर्श पाकर, मेरी आंखों में उमड़ आए आंसुओं को रोकने का भरसक प्रयास भी असफल हुआ, और मेरी आंखें सारा भेद खोल गईं। और उसके साथ बहता चला गया मेरा सारा गुस्सा, जबरन ओढ़ा मेरा सारा आत्मविश्वास डगमगा गया। कुछ देर दोनों ओर से चुप्पी, अर्चना जी ने मेरा हाथ धीरे-धीरे सहलाना जारी रखा और कहना शुरू किया, 'रिक्शे से उतर कर यहां तक आने में मेरा क्या हाल हुआ, आप देख रही हैं। शोभाजी, आपकी हालत भी मुझसे कुछ विशेष अच्छी नहीं है। उस पर इतना आवेश... जो स्वास्थ्य के लिए बिल्कुल उचित नहीं है।' 'क्या कहती हैं आप?' अर्चना जी ने मेरी ओर बड़े प्यार से देखा। मैंने फिर भी उग्र अंदाज से ही कहा था, 'तो क्या करूं, बार-बार अपमानित होती रहूं?'

अर्चना जी कुछ समय तक मेरा मुंह तकती रहीं। उन्होंने पूरे धैर्य का परिचय दिया, इंतजार करती रहीं कि मेरा मन शांत हो, तभी वह अपनी बात कहें। चाय वाले को दो कप चाय लाने को कहकर अर्चना जी फिर चुप हो गईं। मुझे चाय पकड़ा कर फिर से वो मेरी बगल में ऐसे बैठ गईं, जैसे मुझे जानती ही नहीं हैं। पर चाय का कप खत्म होते-होते मैं संयत हो चुकी थी। अर्चना जी ने बड़े प्यार से पूछा, 'शोभाजी, अब कुछ अच्छा लग रहा है? यहां से चलें या हम यहीं कुछ देर बैठे रहें?' ना जाने क्यों मुझे भीड़ में इस तरह बैठे रहना अच्छा लग रहा था। मेरी वृद्धावस्था, असुरक्षा की भावना और अकेलापन, और उस पर नकारात्मक सोच... ये सब किसी भी समझदार मनुष्य का मनोबल कमजोर करने के लिए काफी हैं, और आज मैं भी तो इसी का शिकार थी।

अर्चना जी ने कहना शुरू किया, 'शोभा जी, मेरी नजर में आप विदुषी हैं। आपकी सोच और आपके परिवार के प्रति निष्ठा की मैं सदा से कायल रही हूं। आपने सदा परिवार को बांधकर रखने का प्रयास किया है। अति सक्रिय रहकर अपने समय का अधिकतम उपयोग करते हुए जीवन जीया। उस जीवन शैली के बाद इस तरह का जीवन... अचानक आपका अकेलापन, समाज से अलग-थलग हो जाना और घर में भी आपकी पग-पग पर कसौटी होना, यह सब मैं भी देख और सुन रही हूं।' 'मैं तो सदा आपको भाग्यशाली मानती आई थी कि आप दो पुत्रों की माता हैं। आप दोनों अपनी सारी जिम्मेदारी पूरी कर चुके थे। अब आपको अपने लिए ही जीना था। पर अचानक आपका अकेला हो जाना, आपको ही नहीं, हम सब को झकझोर रहा था। पर यह तो संसार चक्र है, समाज में चारों ओर हो रहा है। कभी न कभी तो इससे प्रभावित सभी होते हैं, आप पर भी असर होना स्वाभाविक है। सराहना करती हूं कि इस परिस्थिति में आपने स्वयं को संभाला।'

'मैं जब इस दौर से गुजरी थी, तब मेरे बच्चे बहुत छोटे थे। मैं संयुक्त कुटुम्ब में थी। मुझे भिन्न परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। सच है, जिन्हें हम अपना समझते हैं, जिनके संबल की आशा हमें होती है, उन्हीं की नजरों में जब हम बेकार समझे जाने लगें, तब मन का आहत होना स्वाभाविक है। मेरी भी संयुक्त कुटुम्ब में रहने की आदत हो गई थी। मुझे भी संयुक्त कुटुम्ब छोड़कर इन परिस्थितियों में से पुत्री के साथ रहने इसलिये आना पड़ा कि परिवार में जो मेरे हमउम्र थे, वो स्वयं ही अपनी संतानों पर निर्भर हो गए थे। नई पीढ़ी के साथ तालमेल बिठाने में लगे थे। ऐसे में मुझे भी अपना भविष्य देखना था। इकलौती पुत्री के अलावा मैं किससे आस करती? आप सोचकर देखिए, इस तरह यहां आना और जीवनभर इसी की आस रखना कितना कष्टकारी है।' 'कभी-कभी मान, अपमान तो हमें लगता है, लेकिन नई पीढ़ी के लिए तो यह सच को सच कहना है। आज की पीढ़ी में संबंधों को लेकर कोई दिखावा नहीं है। कभी-कभी मुझे भी लगता है कि यदि ये पीढ़ी प्रैक्टिकल है, तो क्यों न हम भी प्रैक्टिकल हो जाएं? हम भी किसी वृद्धाश्रम में अपना नाम दर्ज करवा के आजीवन वहां रहें।' मैं बीच में बोलना तो नहीं चाहती थी, लेकिन मैंने तपाक से कहा, 'क्यों पराए लोगों के बीच रहें? सारी जिंदगी अपनों के साथ रहे हैं, वहां तो इन्हें देखने को भी तरस जाएंगे।'

अर्चना जी ने कहा, 'हां, ये सोच हमारी है, और इसी सोच के कारण ही तो हम सकारात्मक सोच के साथ अपने बच्चों से बंधे, उनके पास रहकर अच्छा-बुरा सहते जाने के लिए मजबूर हैं।' अर्चना जी ने फिर कहा, 'बुरा कुछ नहीं है। जो बात आज आपको मुंह खोल कर कही गई है, वह मुझे कितनी ही बार आंखें तरेर कर समझाई गई है। मेरी सलाह है, 'एक बार भूल जाइए कि आप बेटे के घर में हैं।' मैं भी भूल जाती हूं कि मैं बेटी पर आश्रित हूं। हम अपने घर में हैं, अपनों के बीच हैं। एक बात याद रखिए, हमारे किसी भी गलत निर्णय पर सदा अंगुली हमारी संतान पर ही उठेगी। क्या हम वह सह पाएंगे? हम इतने स्वार्थी कैसे हो सकते हैं?'

'रही बच्चों की बात, आप और मैं इसे इतना सोचते हैं, बच्चे तो अपनी बात कहकर भूल भी जाते हैं। एक कटु सत्य शोभाजी हमारे बड़े-बूढ़े कह गए हैं कि सास तो मिट्टी की भी हो, तो बहू उससे दूर ही रहना चाहती है। हमें हमारी सोच बदलनी होगी। हम अपने शरीर से जितना कर सकते हैं, करते रहें। स्वयं को शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रखने का प्रयास करें। हमारी सोच को और विचारों को हमारे तक ही रखें और नई पीढ़ी के साथ तालमेल बैठाने का प्रयास जारी रखें। बैठा सकें तो ठीक, अन्यथा उन्हें अपने हाल पर छोड़कर खुश रहने का प्रयास करें।' 'आप जब घर से गुस्से में निकल आईं तो मैं विचार करने लगी, 'अरे, मैं तो अब अकेली हो गई!' और अपने अकेलेपन की कल्पना से घबरा उठी। नहीं, मैं आपको नहीं जाने दूंगी। आप भी यहीं रहेंगी। इसी घर में रहकर बहू को बेटी मानने का प्रयास करें, मैं जंवाई को बेटा मानने का प्रयास कर रही हूं।' 'चलिए, आज से हम अपना-अपना स्थान बदलकर सोचें, दोनों रिश्तों के साथ नई पीढ़ी के व्यवहार के विषय में। आपको पता है, जंवाई के मुंह से जो बात अच्छी नहीं लगती, वह बेटे के मुंह से अच्छी हो जाती है, और बेटी के मुंह से जो बात ठीक लगती है, वह बहू के मुंह से कड़वी ज़हर समान लगती है।'

'इसलिए हमें आपस में एक-दूसरे के संस्कारों पर अंगुली उठाने के बजाय, एक साथ एक-दूसरे का सहारा बनना है। हमें बच्चों का भी सहारा बने रहना है। आज हम बच्चों की किसी जिम्मेदारी को उठा लेंगे, तो कल बच्चे हमें संभाल ही लेंगे। इसलिए भगवान के लिए गुस्सा त्याग दो और अपनी अर्चना सखी की बात मान लो।' शांत मन और प्रफुल्लित हृदय से दोनों सखियां हंसती-खिलखिलाती स्टेशन के बाहर निकलकर रिक्शे में बैठ गईं। अपने सुंदर नीड़ में लौटने के लिए। कहते हैं, नज़रिया बदलो, नज़ारे बदल जाएंगे। सोच बदलो, परिस्थितियां बदल जाएंगी। आज जीवन की संध्या में यही कहना चाहती हूं, समझौता, समर्पण, मजबूरी जैसे नकारात्मक शब्दों को परिवार से दूर रखें, देखें, जिंदगी कितनी आसान हो जाएगी। (साभार : द ट्रिब्यून)

संजय उवाच

संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

कर्मण्येवाधिकारस्ते!

एक युवा व्यापारी मिले। बहुत परेशान थे। कहने लगे, मन लगाकर परिश्रम से अपना काम करता हूँ पर परिणाम नहीं मिलता। सोचता हूँ काम बंद कर दूँ। यद्यपि उन्हें काम आरम्भ किए बहुत समय नहीं हुआ है। किसी संस्था के अध्यक्ष मिले। वे भी व्यथित थे। बोले, संस्था के लिए जान दे दो पर आलोचनाओं के सिवा कुछ नहीं मिलता। अब मुक्त हो जाना चाहता हूँ इस माथापच्ची से। चिंतन हो पाता, उससे एक भूतपूर्व पार्षद टकराए। उनकी अपनी पीड़ा थी। जब तक पार्षद था, भीड़ जुटती थी। लोगों के इतने काम किए। वे ही लोग अब बुलाने पर भी नहीं आते।

कभी-कभी स्थितियाँ प्रारब्ध के साथ मिलकर ऐसा व्यूह रच देती हैं कि कर्मफल स्थगित अवस्था में आ जाता है। स्थगन का अर्थ तात्कालिक परिणाम न मिलने से है। ध्यान देने योग्य बात है कि स्थगन किसी फलनिष्पत्ति को कुछ समय के लिए रोक तो सकता है पर समाप्त नहीं कर पाता।

स्थगन का यह सिद्धांत कुछ समय के लिए निराश करता है तो दूसरा पहलू यह है कि यही सिद्धांत अमिट जिजीविषा का पुंज भी बनता है।

क्या जीवित व्यक्ति के लिए यह संभव है कि वह साँस लेना बंद कर दे? कर्म से भी मनुष्य का वही सम्बंध है जो साँस है। कर्मयोग की मीमांसा करते हुए भगवान कहते हैं,

'न हि कश्चित्क्षणमपि जातु तिष्ठत्यकर्मकृत।'

कोई क्षण ऐसा नहीं जिसे मनुष्य बिना कर्म किए बिता सके। सभी जीव कर्माधीन हैं। इसलिए गर्भ में आने से देह तजने तक जीव को कर्म करना पड़ता है। इसी भाव को गोस्वामी जी देशज अभिव्यक्ति देते हैं,

'कर्मप्रधान विश्व रचि राखा।'

जब साँस-साँस कर्म है तो उससे परहेज कैसा? भागकर भी क्या होगा? ..और भागना संभव है क्या? यात्रा में धूप-छाँव की तरह सफलता-असफलता आती-जाती हैं। आकलन तो किया जाना चाहिए पर पलायन नहीं। चाहे लक्ष्य बदल लो पर यात्रा अविराम रखो। कर्म निरंतर और चिरंतन है।

सनातन संस्कृति छह प्रकार के कर्म प्रतिपादित करती है- नित्य, नैमित्य, काम्य, निष्काम्य, संचित एवं निषिद्ध। प्रयुक्त शब्दों में ही अर्थ अंतर्निहित है। बोधगम्यता के लिए इन छह को क्रमशः दैनिक, नियमशील, किसी कामना की पूर्ति हेतु, बिना किसी कामना के, प्रारब्ध द्वारा संचित, तथा नहीं करनेवाले कर्म के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।

इसमें से संचित कर्म पर मनन कीजिए। बीज प्रतिकूल स्थितियों में धरती में दबा रहता है। स्थितियाँ अनुकूल होते ही अंकुरित होता है। कर्मफल भी बीज की भाँति संचितावस्था में रहता है पर नष्ट नहीं होता।

मनुष्य से वांछित है कि वह पथिक भाव को गहराई से समझे, निष्काम भाव से चले, निरंतर कर्मरत रहे। अपनी कविता 'कर्मण्येवाधिकारस्ते' उद्धृत करना चाहूँगा-

भीड़ का जुड़ना / भीड़ का छिटकना,
इनकी आलोचनाएँ / उनकी कुंठाएँ,
विचलित नहीं करतीं / तुम्हें पथिक..?
पथगमन मेरा कर्म / पथक्रमण मेरा धर्म,
प्रशंसा, निंदा से / अलिप्त रहता हूँ,
अखंडित यात्रा पर / मंत्रमुग्ध रहता हूँ,
पथिक को दिखते हैं / केवल रास्ते,
इसलिए प्रतिपल / कर्मण्येवाधिकारस्ते!

विचार कीजिएगा।

बोध कथा

शबनम परी

मंद-मंद समीर बह रही थी । पूर्व दिशा से सूरज धीरे-धीरे उग रहा था। आसमान में हल्की-सी सुनहरी लाली छा गई थी। हरजोध नींद से जल्दी जाग गया, आज रविवार था, उसको स्कूल भी नहीं जाना था । वह अपने बगीचे में खेलने आ गया। घास पर जमी ओस की बूँदें ऐसे लग रही थीं, जैसे किसी ने हरे मखमल पर हीरे बिखेर दिए हों। वह झुककर एक ओस की बूँद को निहारने लगा। तभी सूरज की किरण उस बूँद पर पड़ी और बूँद अचानक सात रंगों में चमकने लगी! हरजोध की आँखें चौंधिया गईं। वह खुशी से चिल्लाया वाह! ये तो इंद्रधनुष बन गया! वह कुछ देर तक देखता रहा। हर ओस कण पर जब किरण गिरती, तो उसमें बैंगनी, जामुनी, नीला, हरा, पीला, नारंगी, लाल सब रंग झिलमिलाने लगते। हरजोध को यह जादू-सा लगा। वह बोला, ये कैसे हुआ? क्या ओस के अंदर रंग छिपे रहते हैं?

उसके इतना कहते ही उन ओस की बूंदों में से एक नन्ही परी प्रकट हुई। उसके कपड़े पारदर्शी थे, बाल चाँदी जैसे चमक रहे थे और पंख इंद्रधनुषी रंगों के थे। वह मुस्कुराई और बोली, मैं शबनम परी हूँ। तुमने मुझे प्यार से देखा है और तुम्हारे मन में मेरे लिए उत्सुकता जागी है, इसलिए अब मैं तुम्हारे सारे सवालों का जवाब दूँगी। हरजोध हँस पड़ा, सचमुच तुम ओस से निकली हो?

परी बोली हाँ, हर बूँद में थोड़ा सा प्रकाश, थोड़ा सा पानी, और थोड़ा सा जादू छिपा होता है। जब सूरज की किरण उस पर पड़ती है, तो प्रकाश सात रंगों में बिखर जाता है। इसीलिए मैं इंद्रधनुष जैसी लगती हूँ यह प्रकृति का खेल है, और मैं हूँ उसका रूप!

हरजोध के होठों पर मुस्कान खेल रही थी, उसने पूछा ओ प्यारी परी, भला ओस और घास में क्या रिश्ता है? परी मुस्कुराई, तुम्हारा प्रश्न तो बहुत ही प्यारा है! घास धरती की सबसे विनम्र संतान है। दिन भर सूरज की गर्मी झेलती है, और रात में जब हवा ठंडी होती है, तो आकाश की नमी उसके ऊपर आकर ठहर जाती है। वह नमी ही ओस बन जाती है। बस यूँ समझो घास और ओस माँ-बेटी जैसी हैं। घास धरती से जन्म लेती है, और ओस आकाश से उतरती है। दोनों मिलती हैं तो धरती मां मुस्कुराने लगती है।

हरजोध की नज़र बगीचे के फूलों पर पड़ी, उन पर भी ओस की बून्दें चमक रही थीं, उसने पूछा, और फूलों का क्या रिश्ता है ओस से? परी ने कहा फूल ओस को अपनी सखी मानते हैं। रात में जब वे सो जाते हैं, तो ओस आकर फूलों को चूमती है, उन्हें दुलारती है, उनकी थकान मिटाती है, और सुबह उन्हें नई ताजगी देती है। अगर ओस न हो, तो फूल मुरझा जाएँ। इसलिए तो कहते हैं 'जहाँ ओस गिरे, वहाँ जीवन खिले।' हरजोध कुछ सोचते हुए बोला लोग ओस की तुलना आँसू, पसीने और अमृत से क्यों करते हैं? परी थोड़ी देर चुप रही, फिर बोली क्योंकि ओस हर भावना की तरह अलग-अलग रूप में समझी जाती है। देखो जब किसी की आँखों से आँसू गिरते हैं, तो कभी वे दुख के होते हैं, कभी खुशी के। ओस भी ऐसी ही होती है कभी धरती के दुख के आँसू मानी जाती है, कभी प्रकृति की खुशी की हरजोध ने उत्सुक होकर पूछा और पसीना?

जरूरी नहीं है

गलत सलाहकार

कि शिक्षित व्यक्ति सही फैसला करे आईये इस कहानी के माध्यम से इस बात को समझते है। एक आदमी सड़क के किनारे समोसा बेचा करता था। अनपढ़ होने की वजह से वह अखबार नहीं पढ़ता था।

ऊँचा सुनने की वजह से रेडियो नहीं सुनता था और आँखे कमजोर होने की वजह से उसने कभी टेलीविजन भी नहीं देखा था। इसके बाबजूद वह काफी समोसे बेच लेता था। उसकी बिक्री और नफे में लगातार बढ़ोतरी होती गई। उसने और ज्यादा आलू खरीदना शुरू किया, साथ ही पहले वाले चूल्हे से बड़ा और बढ़िया चूल्हा खरीद कर ले आया। उसका व्यापार लगातार बढ़ रहा था, तभी हाल ही में कॉलेज से बी. ए. की डिग्री हासिल कर चुका उसका बेटा पिता का हाथ बँटाने के लिए चला आया। उसके बाद एक अजीबोगरीब घटना घटी।

बेटे ने उस आदमी से पूछा, पिताजी क्या आपको मालूम है कि हमलोग एक बड़ी मंदी का शिकार बनने वाले हैं ? पिता ने जवाब दिया , नहीं, लेकिन मुझे उसके बारे में बताओ।

बेटे ने कहा – अन्तर्राष्ट्रीय परिस्थितियाँ बड़ी गंभीर हैं। घरेलू हालात तो और भी बुरे हैं। हमे आने वाले बुरे हालत का सामना करने के लिए तैयार हो जाना चाहिए। उस आदमी ने सोचा कि बेटा कॉलेज जा चुका है, अखबार पढ़ता है, और रेडियो सुनता है, इसलिए उसकी राय को हल्के ढंग से नहीं लेना चाहिए। दूसरे दिन से उसने आलू की खरीद कम कर दी और अपना साइन बोर्ड नीचे उतार दिया। उसका जोश खत्म हो चुका था।

जल्दी ही उसी दुकान पर आने वालों की तादाद घटने लगी और उसकी बिक्री तेजी से गिरने लगी। पिता ने बेटे से कहा , तुम सही कह रहे थे। हमलोग मंदी के दौर से गुजर रहे हैं। मुझे ख़ुशी है कि तुमने वक्त से पहले ही सचेत कर दिया। इस कहानी से हमे ये सीख मिलती है कि अपने सलाहकार सावधानी से चुनिए, लेकिन अमल अपने ही फैसला पर करिए।

वीर गाथा

उच्च कोटि की वीरता दिखाकर अंतिम सांस तक लड़े अमर बलिदानी गणेश बहादुर

लांस नायक गणेश बहादुर राय असम राइफल्स के एक बहादुर सैनिक थे, जिनका नाम अमर रहेगा। वे शुरुआती पढ़ाई के बाद इसमें भर्ती हुए थे। गणेश बहादुर साल 1975 में अपनी यूनिट 10 असम राइफल्स के साथ नागालैंड के मोकोकचुंग जिले में तैनात थे।

इस यूनिट का इलाका उग्रवाद से प्रभावित था, इसलिए वहां लगातार सैन्य अभियान चलाए जा रहे थे। इलाके में लगातार गश्त की जा रही थी। 4 जनवरी, 1975 को गणेश बहादुर अपने साथी जवानों के साथ एक अभियान पर निकले थे। वे जवानों का नेतृत्व कर रहे थे।

उन्हें मोकोकचुंग ज़िले में उग्रवादियों के खिलाफ अवरोधक स्थापित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। गणेश बहादुर और साथी जवान आगे बढ़ते जा रहे थे। अचानक उन्हें एक कैंप दिखाई दिया, जो कुछ ही दूरी पर था। उसमें उग्रवादी घात लगाकर बैठे थे। उन्होंने जवानों की ओर गोलीबारी की।

गणेश बहादुर इसके लिए पूरी तरह तैयार थे। उन्होंने उग्रवादियों पर पूरी ताकत के साथ धावा बोला। जोरदार गोलीबारी से उग्रवादी बुरी तरह घबरा गए।

इस दौरान गणेश बहादुर के दाएं हाथ पर गोली लगी। उन्होंने अपने घाव की परवाह न करते हुए दुश्मन को भरपूर जवाब देना जारी रखा। उन्होंने एक उग्रवादी को ढेर कर दिया।

इससे भारतीय जवानों का जोश और बढ़ गया। उन्होंने आगे बढ़कर दुश्मन से दो-दो हाथ किए और उसे बुरी तरह पछाड़ दिया। वहीं, गणेश बहादुर कई गोलियां लगने से वीरगति को प्राप्त हो गए। भारत माता का एक वीर पुत्र अपने देशवासियों के लिए बलिदान हो गया। लांस नायक गणेश बहादुर राय ने इस अभियान में उच्च कोटि की वीरता और साहस का प्रदर्शन किया। उन्हें 'शौर्य चक्र' से सम्मानित किया गया।

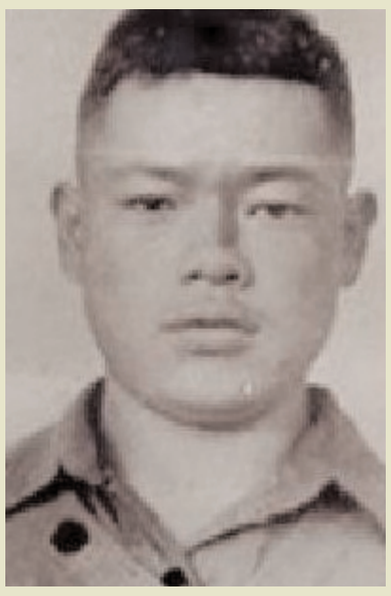

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

कड़ी सुरक्षा के बीच मॉस्को में रेड स्क्वायर पर विजय दिवस परेड आयोजित

मॉस्को/एपी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शनिवार को यूक्रेन युद्ध में जीत का भरोसा जताते हुए मॉस्को के 'रेड स्क्वायर' में द्वितीय विश्व युद्ध में नाजी जर्मनी पर सोवियत संघ की विजय की वर्षगांठ पर आयोजित सैन्य परेड की अगुवाई की।

मॉस्को में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। पुतिन के साथ कई विदेशी नेता भी परेड में शामिल हुए। अमेरिका की मध्यस्थता से हुए तीन दिन के युद्धविराम के कारण यूक्रेन द्वारा समारोह में बाधा डालने की आशंकाएं कुछ कम हुईं।

पिछले 25 वर्षों से अधिक समय से सत्ता में बने पुतिन ने विजय दिवस को रूस की सैन्य ताकत दिखाने और यूक्रेन में चल रही सैन्य कार्रवाई के समर्थन को मजबूत करने के मंच के रूप में इस्तेमाल किया है। यह युद्ध अब पांचवें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। परेड को संबोधित करते हुए पुतिन ने यूक्रेन में लड़ रहे रूसी सैनिकों की सराहना की। उन्होंने कहा कि रूसी सेना ''उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) समर्थित आक्रामक ताकत'' का सामना कर रही है। उन्होंने कहा, ''जीत हमेशा हमारी थी और आगे भी हमारी ही रहेगी। हमारी नैतिक शक्ति, साहस, एकता और हर चुनौती से लड़ने की क्षमता ही सफलता की कुंजी है।''

हरियाणा से बंगाल तक : मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद नौ राज्यों में पहली बार बने भाजपा के मुख्यमंत्री

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पश्चिम बंगाल में शानदार जीत दर्ज करते हुए ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस सरकार के 15 साल के शासन का अंत कर दिया और इसके साथ ही 2014 में नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद भाजपा ने नौ राज्यों में पहली बार मुख्यमंत्री पद हासिल किया है। यह सफर 2014 में हरियाणा और महाराष्ट्र से शुरू हुआ। इसके बाद असम (2016), अरुणाचल प्रदेश (2016), मणिपुर (2017), त्रिपुरा (2018), ओडिशा (2024), बिहार (2026) और अब पश्चिम बंगाल में पार्टी ने पहली बार मुख्यमंत्री पद प्राप्त किया। हरियाणा में भाजपा ने पहली बार अपने दम पर सरकार बनायी और मनोहर लाल खट्टर को मुख्यमंत्री बनाया।

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी बनने के बाद भाजपा ने महायुति गठबंधन के सहयोगियों के साथ सरकार बनायी और देवेंद्र फडणवीस राज्य में भाजपा के पहले मुख्यमंत्री बने। भाजपा ने 2016 में पूर्वोत्तर में अपनी पकड़ मजबूत करते हुए असम में जीत दर्ज की, जहां सर्बानंद सोनोवाल राज्य के पहले भाजपा मुख्यमंत्री बने।

तब से भाजपा असम में लगातार सत्ता में बनी हुई है और अप्रैल में हुए चुनाव सहित लगातार तीन विधानसभा चुनाव जीत चुकी है।

उसी वर्ष 2016 में भाजपा ने अरुणाचल प्रदेश में बड़े राजनीतिक पुनर्गठन के बाद अपनी पहली पूर्ण सरकार बनाई।

जुलाई 2016 में कांग्रेस नेता पेमा खांडू लंबे राजनीतिक संकट के बीच मुख्यमंत्री बने, लेकिन सितंबर में वह और कांग्रेस के अधिकतर विधायक भाजपा के सहयोगी दल 'पीपुल्स पार्टी ऑफ अरुणाचल' (पीपीए) में शामिल हो गए।

भाजपा ने 2017 में मणिपुर में चुनाव के बाद नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी), नगा पीपुल्स फ्रंट (एनपीएफ) और अन्य क्षेत्रीय दलों के साथ गठबंधन कर सरकार बनाई और एन. बीरेन सिंह को मुख्यमंत्री बनाया। भारतीय जनता पार्टी ने 2018 में त्रिपुरा में वाम मोर्चे के दशकों पुराने शासन को समाप्त कर बिप्लव कुमार देव के नेतृत्व में अपनी पहली सरकार बनाई।

बिहार में भाजपा लंबे समय से नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकारों का हिस्सा रही, लेकिन अपने मुख्यमंत्री के लिए उसे यहां 2026 तक इंतजार करना पड़ा। दो दशकों से अधिक समय तक मुख्यमंत्री रहने के बाद नीतीश कुमार ने इस वर्ष इस्तीफा देकर राज्यसभा का रुख किया। उनके पद छोड़ने के बाद सम्राट चौधरी के रूप में राज्य को भाजपा से पहला मुख्यमंत्री मिला।

टैगौर जयंती

पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के शांतिनिकेतन में कविगुरु रवींद्रनाथ टैगोर की 165वीं जयंती के मौके पर विश्वभारती यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रोबीर कुमार घोष, स्टूडेंट्स, टीचर्स और स्टाफ मेंबर्स के साथ विश्वभारती यूनिवर्सिटी कैंपस जाते हुए।

'बंदर' का टीजर देख 'लॉर्ड बॉबी' पर गर्व करते दिखे सनी देओल

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता बॉबी देओल इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'बंदर' को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। फिल्म का टीजर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर इसकी चर्चा शुरू हो गई और फैंस से लेकर फिल्म इंडस्ट्री तक हर कोई बॉबी देओल के नए अवतार की तारीफ करता नजर आ रहा है। इसी बीच अब देओल परिवार की तरफ से भी खास प्रतिक्रिया सामने आई है। बॉबी देओल के भाई और अभिनेता सनी देओल, साथ ही उनके बेटे करण देओल ने भी 'बंदर' के टीजर को लेकर उत्साह जाहिर किया। दरअसल, शुक्रवार को सनी देओल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर 'बंदर' का टीजर साझा किया।

टीजर शेयर करते हुए उन्होंने बेहद खास अंदाज में अपने छोटे भाई की तारीफ की। सनी देओल ने कैप्शन में लिखा, 'लुकिंग सो गुड माय लॉर्ड बॉबी।' सनी का यह पोस्ट अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वहीं, सनी देओल के बेटे और अभिनेता करण देओल ने भी अपने चाचा बॉबी देओल की तारीफ करते हुए इंस्टाग्राम पर फिल्म का टीजर शेयर किया। करण ने लिखा, 'वाह!! 'बंदर' का बेसब्री से इंतजार है। बॉबी चाचा, आप कमाल लग रहे हो।' करण की इस प्रतिक्रिया ने भी फैंस का ध्यान खींचा।

दरअसल, 'एनिमल' की सफलता के बाद बॉबी देओल अब डार्क रोल निभा रहे हैं। 'बंदर' में भी उनका ऐसा ही एक अलग अवतार देखने को मिल रहा है, जिसने दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ा दी है।

फिल्म के टीजर की बात करें तो इसकी शुरुआत काफी मनोरंजक अंदाज में होती है। बॉबी देओल इसमें समीर मेहरा नाम के किरदार में नजर आते हैं, जो 70 के दशक के डिस्को स्टार जैसे लुक में दिखाई देते हैं और स्टेज पर परफॉर्म करते हैं।

हालांकि कुछ ही पलों बाद कहानी अचानक एक रहस्यमयी मोड़ लेती है। टीजर में दिखाया गया है कि बॉबी देओल का किरदार समीर मेहरा एक डेटिंग ऐप के जरिए कुछ लड़कियों से मिलता है। शुरुआत में सब कुछ सामान्य लगता है, लेकिन धीरे-धीरे वही मुलाकातें उनके लिए मुसीबत बन जाती हैं। वह कानूनी पचड़े में फंस जाते हैं। टीजर में उनकी गिरफ्तारी को भी दिखाया गया है। यही ट्विस्ट फिल्म को और ज्यादा इंटेंस बनाता है। कहानी धीरे-धीरे रहस्य, तनाव और मनोवैज्ञानिक उलझनों की तरफ बढ़ती है। हर सीन के साथ सस्पेंस बढ़ता जाता है।

फिल्म में बॉबी देओल के अलावा सान्या मल्होत्रा, राज बी शेट्टी, सपना पब्बी, सबा आजाद, रिद्धि सेन, जितेंद्र जोशी, इंद्रजीत और नागेश भोसले जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म की कहानी सुदीप शर्मा और अभिषेक बनर्जी ने लिखी है, जो इससे पहले 'पाताल लोक', 'कोहरा' और 'उड़ता पंजाब' जैसी चर्चित कहानियों पर काम कर चुके हैं।

अनुराग कश्यप के निर्देशन में बनी 'बंदर' का निर्माण निखिल द्विवेदी की सैफ्रॉन मैजिकवर्क्स ने किया है, जबकि फिल्म को जी स्टूडियोज प्रस्तुत कर रहा है। यह फिल्म 5 जून 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

ब्रिटिश-भारतीय अभिनेत्री आरती शाह ने लंदन के मंच पर 'पैडिंगटन' की करुणा को जीवंत किया

लंदन/भाषा। पुरस्कार विजेता मंचीय प्रस्तुति 'पैडिंगटन: द म्यूजिकल' के कार्टून किरदार 'पैडिंगटन' (एक भालू) की भाव-भंगिमा को अपने अभिनय से जीवंत करने वालीं अभिनेत्री आरती शाह का कहना है कि इस लोकप्रिय किरदार का मुख्य संदेश आज की दुनिया के लिए तात्कालिक आवश्यकता है।

शाह ने पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में कहा, पैडिंगटन करुणा का प्रतीक है, और इस समय दुनिया को करुणा की ही जरूरत है। उन्होंने कहा, इस समय दुनिया बहुत मुश्किल दौर से गुजर रही है। चारों ओर बहुत कुछ घट रहा है, हर तरफ नकारात्मकता की गूंज है, और इस समय महंगाई का बोलबाला है। लेकिन एक चीज जो मुफ्त है और हम सभी के पास है, वह है करुणा।

ब्रिटिश-भारतीय अभिनेत्री ने कहा कि मंचीय प्रस्तुति को दर्शकों से मिली प्रतिक्रिया बेहद मार्मिक और दिल को छू लेने वाली रही है। उन्होंने कहा, मैंने दर्शकों के चेहरों पर अधिक मुस्कान देखी। इन अद्भुत कलाकारों के साथ जुड़कर और रोजाना रात और दिन के शो में यह कहानी सुनाने का अवसर पाकर मैं खुद को गौरवान्वित महसूस करती हूं। इस उपहार को सभी के साथ साझा करने और उन्हें थोड़ी सी आस बंधाने और खुशी देने का अवसर पाकर मैं बहुत खुश हूं।

शाह को मंच संगीत में उनके प्रदर्शन के लिए दर्शकों और आलोचकों दोनों से व्यापक प्रशंसा मिली है, जिसका प्रदर्शन हाल ही में फरवरी 2028 तक बढ़ा दिया गया है।

लंदन के सेवॉय थियेटर में इस प्रोडक्शन के लिए चेहरे के हाव-भाव को नियंत्रित करने की कठपुतली कला के माध्यम से 'पैडिंगटन' के किरदार को जीवंत करते वक्त 49 वर्षीय शाह भालू की पोशाक पहनती हैं और सह-अभिनेता जेम्स हमीद आवाज देते हैं।

पिछले महीने इस जोड़ी ने इसी नाम की 2014 की ब्लॉकबस्टर फिल्म पर आधारित मंचीय रूपांतरण में अपने प्रदर्शन के लिए म्यूजिकल में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का प्रतिष्ठित ऑलिवियर अवॉर्ड साझा किया। संतरे के मुरब्बा को पसंद करने वाले भालू (पैडिंगटन) की शुरुआत माइकल बॉन्ड द्वारा बच्चों की किताबों की एक शृंखला के रूप में की गई थी। उन्होंने साझा किया, एक कलाकार के रूप में, जब मैं मंच पर होती हूं, तो मैं 'मेथड एक्टिंग' के माध्यम से अपने व्यक्तिगत अनुभवों से प्रेरणा लेकर उस समय 'पैडिंगटन' जो महसूस कर रहा होता है, उसकी भावनाओं को दर्शाती हूं। लेकिन यह सिर्फ मैं नहीं हूं, बल्कि अद्भुत कलाकार जेम्स भी हैं जिनकी 'पैडिंगटन' को दी गई आवाज बेहद आकर्षकहै, और हम दोनों मिलकर मंच पर पैडिंगटन के संरक्षक हैं।

मुझसे कहा गया था कि पुलिस का रोल करोगे तो कॉमेडी लगेगा : सैफ अली खान

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता सैफ अली खान 'कर्तव्य' फिल्म को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। गुरुवार को ट्रेलर लॉन्च के मौके पर सैफ ने अपने करियर के शुरुआती दिनों का किस्सा शेयर किया। उन्होंने बताया कि कैसे एक समय पर फिल्म निर्देशक ने उन्हें पुलिस का किरदार न निभाने की सलाह दी थी, क्योंकि उनके चेहरे पर वह 'गंभीरता' नहीं थी। सैफ ने कहा, मुझे आज भी याद है कि जब मैंने पहली बार फिल्म 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी' के लिए पुलिस वर्दी पहनी थी और हम फिल्म का क्लाइमेक्स शूट कर रहे थे। उस समय फिल्म में अक्षय कुमार पुलिस अधिकारी की भूमिका में थे और मैं एक साधारण सा किरदार निभा रहा था। मैं उस समय फिल्म जगत की बारीकियां सीखने की कोशिश कर रहा था। सैफ ने आगे बताया कि उस फिल्म के निर्देशक ने उनसे कहा था, अपनी जिंदगी में कभी भी पुलिस वाले का रोल गंभीरता से मत करना, क्योंकि तुम यह नहीं कर सकते। तुम्हारे अंदर वह ताकत या दम नहीं है कि तुम पुलिस वाले लग सको। अगर तुम यह रोल करोगे तो यह एक कॉमेडी जैसा लगेगा, इसलिए इसे कभी ट्राई मत करना।

सैफ ने कहा कि उस समय मिली टिप्पणी मेरे लिए एक सबक की तरह थी। अभिनेता ने आगे कहा, यह कमाल की बात है कि अगर आप लगातार अभ्यास करते रहें, सीखते रहें और आगे बढ़ते रहें, तो समय के साथ आप बेहतर होते जाते हैं। बिना दबाव के काम बोरिंग लगने लगते हैं। अगर बिल्कुल प्रेशर न हो तो काम में मजा नहीं आता। थोड़ा-बहुत तो प्रेशर होने से ही बेस्ट निकलता है। हालांकि, हर दिन एक जैसा नहीं होता है। फिल्मों में अक्सर ऐसा होता है कि एक दिन बहुत मुश्किल होता है, तो अगला दिन थोड़ा संतुलित और आसान। इसी उतार-चढ़ाव में काम करने का अपना ही मजा होता है।जब अभिनेता से पूछा गया कि उनके लिए रोमांटिक-कॉमेडी करना आसान है या फिर कर्तव्य जैसे गंभीर किरदार, तो सैफ ने इस सवाल का जवाब बड़ी बेबाकी से दिया। उन्होंने स्वीकार करते हुए कहा कि शहरों में पले-बढ़े होने के कारण उनके लिए 'रोम-कॉम' फिल्में करना कहीं अधिक सहज है। अभिनेता ने कहा, 'रोम-कॉम' फिल्मों में आप एक तरह से खुद का ही किरदार निभा रहे होते हैं। उनमें ऐसी बातें होती हैं, जो मेरी असल जिंदगी का हिस्सा है, जैसे बच्चों की परवरिश, स्कूल की जिम्मेदारियां और परिवार। निजी जिंदगी में भी मैं हमेशा इस बात का ध्यान रखता हूं कि कहीं मैं अपनी मां को निराश तो नहीं कर रहा हूं।

ट्रेलर लांच

एक्टर और फिल्म प्रोड्यूसर संजय दत्त, फिल्म डायरेक्टर और एक्टर अभिजीत मोहन वारंग और अन्य आगामी फिल्म 'आखिरी सवाल' के ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम में ।

लांच

एक्टर सारा अली खान, रकुल प्रीत सिंह और वामिका गब्बी को शनिवार को मुंबई में आने वाली फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' के लॉन्च से पहले टी-सीरीज़ ऑफिस में देखा गया।

सलमान खान ने खुद 'राजा शिवाजी' का हिस्सा बनने की इच्छा जतायी थी : रितेश देशमुख

मुंबई/भाषा

अभिनेता रितेश देशमुख ने कहा कि सलमान खान फिल्म राजा शिवाजी का हिस्सा बनना चाहते थे, जिसके बाद उन्हें ऐसा खास किरदार गढ़ना पड़ा, जो सलमान के रुतबे के बराबर हो।एक मई को रिलीज हुई यह फिल्म मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित है। रितेश देशमुख ने फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने के साथ-साथ इसके सह-लेखन और निर्देशन की जिम्मेदारी भी संभाली है। फिल्म में सलमान खान कैमियो (संक्षिप्त) भूमिका में नजर आते हैं। उन्होंने जीवा माहाला का किरदार निभाया है जो एक वीर योद्धा थे, जिन्होंने प्रतापगढ़ की लड़ाई में शिवाजी महाराज की जान बचाई थी।

रितेश देशमुख ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में कहा, एक दिन सलमान ने मुझसे कहा कि उन्हें 'राजा शिवाजी' का हिस्सा बनना है। मैंने इस बारे में सोचा नहीं था, लेकिन उन्होंने कहा, 'तुम मेरे बिना फिल्म नहीं बना सकते, मुझे इसका हिस्सा बनना ही है।' मैंने उनसे थोड़ा समय मांगा, क्योंकि अगर वह स्क्रीन पर आएंगे, तो उसका एक अलग महत्व होना चाहिए।

आखिरकार वह सलमान खान हैं, लोगों को मजा आना चाहिए। अभिनेता-निर्देशक रितेश ने कहा कि वह चाहते थे कि सलमान फिल्म में ऐसा किरदार निभाएं जो दर्शकों के दिल में उतर जाए। उन्होंने कहा, मैं चाहता था कि वह एक खास किरदार अदा करें। वह किरदार सलमान खान से भी बड़ा लगना चाहिए और साथ ही प्रशंसक भी उसका आनंद उठाएं। फिर हमें यह किरदार मिला। मुझे पता था कि एक खास संवाद चाहिए जो बिल्कुल फिट बैठे। जब वह दृश्य पर्दे पर आया और वैसा असर छोड़ गया जैसा हम चाहते थे, तो वह पल शानदार था। यह पहली बार नहीं है जब सलमान खान ने रितेश की फिल्मों में खास भूमिका निभाई हो। इससे पहले वह 2022 में रितेश के निर्देशन वाली पहली फिल्म 'वेद' में एक विशेष गाने में नजर आए थे। वहीं लय भारी में भी उन्होंने कैमियो किया था, जो मराठी सिनेमा में रितेश की पहली फिल्म थी।

राजा शिवाजी फिल्मी सितारों से सजी फिल्म है। फिल्म में संजय दत्त ने अफजल खान, अभिषेक बच्चन ने संभाजी शाहजी भोंसले, विद्या बालन ने बड़ी बेगम, फरदीन खान ने मुगल बादशाह शाहजहां और अमोल गुप्ते ने आदिल शाह की भूमिका निभायी है।रितेश ने कहा कि हिंदी फिल्म जगत के उनके दोस्तों ने सिर्फ प्यार और सम्मान की वजह से फिल्म में काम किया और किसी ने फीस के तौर पर एक रुपया तक नहीं लिया।

'राजा शिवाजी' ने मराठी और हिंदी दोनों भाषाओं में घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 52.66 करोड़ रुपए की कुल कमाई की है।फिल्म में महेश मांजरेकर, सचिन खेडेकर, भाग्यश्री और जितेंद्र जोशी भी अहम भूमिकाओं में नजर आए हैं। फिल्म को जियो स्टूडियोज प्रस्तुत कर रहा है और इसका निर्माण ज्योति देशपांडे तथा रितेश की पत्नी और अभिनेत्री जेनेलिया देशमुख ने मुंबई फिल्म कंपनी के बैनर तले किया है।

मैं हमेशा अपने लिए तैयार होती हूं, किसी को इम्प्रेस करने के लिए नहीं : कृतिका कामरा

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म और टीवी इंडस्ट्री में फैशन सिर्फ कपड़ों तक सीमित नहीं रह गया है बल्कि यह कलाकारों की पहचान का अहम हिस्सा बन चुका है। हर इवेंट और फोटोशूट में सितारों का लुक चर्चा का विषय बन जाता है। ऐसे में कई बार यह सवाल भी उठता है कि कलाकार खुद के लिए तैयार होते हैं या फिर पब्लिक इमेज को ध्यान में रखकर। इसी मुद्दे पर अभिनेत्री कृतिका कामरा ने खुलकर अपनी राय रखी। से बातचीत में कृतिका ने कहा कि उन्होंने हमेशा अपने लिए कपड़े पहने हैं और फैशन उनके लिए आत्मविश्वास और खुशी से जुड़ा हुआ है। से बात करते हुए कृतिका कामरा ने कहा, मुझे बहुत जल्द ही यह समझ आ गई थी कि मुझे सजना-संवरना और फैशन काफी पसंद है। मैं खुद को अच्छा महसूस कराने के लिए तैयार होती हूं। अच्छे कपड़े पहनने और खुद को अच्छे तरीके से प्रेजेंट करने का असर मेरे पूरे दिन पर पड़ता है। इससे मेरा आत्मविश्वास बढ़ता है और मैं अपने काम में ज्यादा सकारात्मक महसूस करती हूं। कृतिका कामरा ने आगे बताया, मैंने नई दिल्ली के एक डिजाइन स्कूल में फैशन कम्युनिकेशन की पढ़ाई की है। इसी वजह से मैं फैशन की दुनिया को एक अलग नजरिए से देखती हूं। मुझे यह जानने में दिलचस्पी रहती है कि किसी कपड़े को बनाने में कितनी मेहनत लगती है, किसी खास टेक्सटाइल को तैयार करने की प्रक्रिया क्या होती है और डिजाइनिंग के पीछे कितना काम छिपा होता है। जब इंसान किसी चीज की मेहनत को समझता है, तो उसके प्रति सम्मान भी बढ़ जाता है।

अभिनेत्री ने कहा, मैं फैशन इंडस्ट्री में चल रहे नए ट्रेंड्स से भी खुद को अपडेट रखती हूं, लेकिन हमेशा से वही पहनती हूं, जिसमें मैं खुद को सहज और आत्मविश्वासी महसूस करती हूं। मैंने कभी किसी को खुश करने या इम्प्रेस करने के लिए कपड़े नहीं पहने। फैशन का असली मतलब वही है, जब इंसान अपने लिए तैयार हो और अपने व्यक्तित्व को खुलकर जी सके। कृतिका कामरा ने महिलाओं के नजरिए से फैशन को लेकर भी दिलचस्प बात कही। उन्होंने कहा, अगर मुझे किसी की तारीफ सबसे ज्यादा खुशी देती है, तो वह मेरी महिला दोस्तों या दूसरी महिलाओं की होती है। महिलाएं फैशन को बहुत अलग और बारीकी से देखती हैं। वे छोटे-छोटे डिटेल्स पर ध्यान देती हैं, इसलिए उनकी राय ज्यादा खास लगती है। मुझे महिलाओं से मिलने वाला फीडबैक सबसे ज्यादा पसंद आता है। उन्होंने कहा, काम की वजह से मुझे कई बेहतरीन डिजाइनर्स और स्टाइलिस्ट्स के साथ काम करने का मौका मिलता है। मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं कि मुझे इतने प्रतिभाशाली लोगों के साथ काम करने का अनुभव मिला। मैं अक्सर डिजाइनर्स और स्टाइलिस्ट्स के काम से प्रेरित होती हूं लेकिन जब मैं अपना लुक तैयार करती हूं, तो उसमें मेरी अपनी पसंद भी शामिल होती है। अभिनेत्री ने कहा, मैं अपनी टीम के साथ मिलकर तय करती हूं कि कौन-सा लुक मुझ पर अच्छा लगेगा और किस तरह मैं खुद को सबसे बेहतर तरीके से पेश कर सकती हूं।

'मानक संवाद' : नए बीआईएस लाइसेंसधारकों के लिए जागरूकता बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारत सरकार के उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अधीन भारत के राष्ट्रीय मानक निकाय, भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के चेन्नई शाखा कार्यालय ने सीआईटी परिसर, तारामणि स्थित बीआईएस चेन्नई शाखा कार्यालय में 'मानक संवाद' – नए बीआईएस लाइसेंसधारियों के साथ जागरूकता बैठक का आयोजन किया। गत मार्च और अप्रैल के महीनों के दौरान बीआईएस लाइसेंस प्राप्त करने वाले विभिन्न क्षेत्रों के नए लाइसेंसधारियों को औपचारिक रूप से प्रमाण पत्र सौंपे गए।

कार्यक्रम का शुभारंभ एस.डी. दयानंद, वैज्ञानिक-एफ / वरिष्ठ निदेशक एवं प्रमुख, बीआईएस चेन्नई शाखा कार्यालय द्वारा स्वागत भाषण और कार्यक्रम के उद्देश्यों के साथ हुआ। उन्होंने नव-लाइसेंस प्राप्त निर्माताओं का बीआईएस के दायरे में स्वागत किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय मानक उत्पाद की गुणवत्ता, सुरक्षा और विश्वसनीयता की रीढ़ हैं, और निर्माताओं द्वारा संबंधित भारतीय मानकों और बीआईएस लाइसेंस की शर्तों का कड़ाई से अनुपालन करने के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि मानकों और अनुरूपता मूल्यांकन आवश्यकताओं का निरंतर पालन करने से उपभोक्ता विश्वास बढ़ता है, घरेलू और वैश्विक बाजारों में भारतीय उत्पादों की विश्वसनीयता मजबूत होती है, और गुणवत्तापूर्ण भारत की परिकल्पना को बल मिलता है। उन्होंने आगे बताया कि चूंकि बीआईएस तृतीय-पक्ष आश्वासन प्रदान करता है, इसलिए निर्माताओं को गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

उन्होंने गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) लागू होने की स्थिति में, अनिवार्य बीआईएस मानक चिह्न के बिना भंडारित, वितरित या बिक्री के लिए पेश किए गए उत्पादों के खिलाफ बीआईएस द्वारा बीआईएस अधिनियम, 2016 की धारा 28 के प्रावधानों के तहत की जा रही प्रवर्तन गतिविधियों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि बीआईएस नियमित रूप से गैर-अनुरूप उत्पादों की बिक्री पर अंकुश लगाने और उपभोक्ता हितों की रक्षा के लिए तलाशी और जब्ती अभियान चलाता है, जिससे सभी क्षेत्रों में अनिवार्य प्रमाणन आवश्यकताओं का प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित होता है।

पक्की बालू, वैज्ञानिक-सी / उप निदेशक, और हितेश यादव, वैज्ञानिक-सी / उप निदेशक ने तकनीकी सत्र दिए। नए लाइसेंसधारियों को बीआईएस द्वारा प्रदान किए जाने वाले प्रबंधन प्रणाली प्रमाणन के बारे में भी जानकारी दी गई, जिनमें आईएस/आईएसओ 9001, आईएस/आईएसओ 14001, आईएस/आईएसओ 45001 और अन्य प्रबंधन प्रणालियाँ शामिल हैं। सत्र में संगठनात्मक दक्षता, प्रक्रिया मानकीकरण और निरंतर सुधार में प्रबंधन प्रणाली प्रमाणन के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

इस कार्यक्रम में वेलकम किट का वितरण और एक इंटरैक्टिव ओपन हाउस सत्र भी शामिल था, जिसमें प्रतिभागियों ने बीआईएस अधिकारियों के साथ बातचीत की और प्रमाणन, अनुपालन और मानकीकरण गतिविधियों से संबंधित प्रश्नों को स्पष्ट किया।

जीवन निर्माण शिविर में प्रतिक्रमण में भाग लेते शिविरार्थी।

नम्रता ही सफलता की पहली सीढ़ी है : आचार्य कुलबोधिसूरीश्वरजी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के पुझल स्थित केसरवाड़ी जैन तीर्थ में आचार्यश्री कुलबोधिसूरिश्वरजी म. सा. की पावन निश्रा में आयोजित 'जीवन निर्माण शिविर' का समापन समारोह रविवार को भव्य रूप से आयोजित होगा। शिविर के छठे दिन विविध आध्यात्मिक एवं संस्कारमय कार्यक्रमों ने वातावरण को भक्तिमय और प्रेरणामय बना दिया। परमात्मा पूजा, प्रवचन, मातृ-पितृ वंदना, प्रतिक्रमण आदि कार्यक्रमों में शिविरार्थियों का उत्साह, अनुशासन और उमंग देखने योग्य रहा। जहां भवों का मिट जाए फेरा वह जैन धर्म है मेरा गीत के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई।

अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में आचार्यश्री ने जीवन में सफलता के तीन मूल सूत्र विनय, विवेक और वैराग्य को आत्मसात करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जहां विनय नहीं होता, वहां विकास संभव नहीं होता। नम्रता ही सफलता की प्रथम सीढ़ी है और बड़ों के प्रति हमारा व्यवहार ही हमारे विनय का वास्तविक परिचय देता है। आचार्यश्री ने कहा कि जीवन में आगे बढ़ना है तो अहंकार का त्याग करना आवश्यक है। परिवार में ऐसा वातावरण नहीं होना चाहिए कि सभी व्यक्ति आपके मूड को देखकर बात करें। उन्होंने प्रेरणा देते हुए कहा, तन को स्वस्थ रखना है तो कम खाओ, मन को स्वस्थ रखना है तो गम खाओ और जीवन को स्वस्थ रखना है तो नम्रता अपनाओ। रामायण के प्रसंगों का उल्लेख करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि जीवन अक्कड़ से नहीं, बल्कि सरलता और विनम्रता से जीया जाता है।

विनय और विवेक का अंतर स्पष्ट करते हुए आचार्यश्री ने कहा कि अच्छे तत्वों के सामने झुकना विनय है, जबकि बुरी बातों का त्याग करना विवेक है। उन्होंने कहा कि जैसे पक्षी का जीवन उसके पंख हैं और पशु का जीवन पेट भरना, वैसे ही मनुष्य का वास्तविक जीवन विवेक है। वैराग्य का महत्व समझाते हुए उन्होंने कहा कि जहां राग नहीं होता, वहीं वैराग्य का उदय होता है। पांचों इंद्रियों के विषयों के पीछे भागते रहने से वैराग्य संभव नहीं है। उन्होंने आगाह करते हुए कहा कि समय से पहले मिलने वाला सुख मनुष्य को कमजोर बना देता है।

आचार्यश्री ने युवाओं को विशेष प्रेरणा देते हुए कहा कि यह उम्र सीखने, संस्कार ग्रहण करने और श्रेष्ठ जीवन निर्माण की है। गलत कार्यों एवं अपशब्दों से दूर रहने की प्रेरणा देते हुए उन्होंने कहा कि यदि कभी माता-पिता को दुःख पहुंचाया हो, तो मातृ-पितृ वंदना में हृदय से क्षमा याचना कर जीवन में सुधार का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने गुरु की शरण में शिक्षा, दीक्षा और संयम मार्ग अपनाने की प्रेरणा देते हुए कहा कि संसार का दूसरा नाम समस्या है और संयम का दूसरा नाम समाधान। एक प्रेरक दृष्टांत के माध्यम से उन्होंने आत्मा के प्रति प्रेम जागृत करने का संदेश दिया।अपने शायराना अंदाज में जीवन जीने की कला समझाते हुए आचार्यश्री ने कहा, जीवन जीने का मकसद खास होना चाहिए, अपने आप पर विश्वास पूरा होना चाहिए। जीवन में खुशियों की कमी नहीं होती, खुशियां मनाने का अंदाज होना चाहिए। इस मौके पर ऋषभ हेम युवा मंडल ने सेवा कार्यों में सहभागी बनाने हेतु संबोधि परिवार के प्रति आभार व्यक्त किया। रविवार प्रातः आयोजित होने वाले समापन समारोह में शिविरार्थियों को पुरस्कार एवं आकर्षक उपहार प्रदान किए जाएंगे।

स्वस्थ समाज के निर्माण में सामाजिक संस्थाओं की भूमिका पर संगोष्ठी

चेन्नई। अणुव्रत समिति, चेन्नई की पंचम कार्यसमिति की बैठक तेरापंथ सभा भवन, साहूकारपेट में अध्यक्ष सुभद्रा लुणावत की अध्यक्षता में आयोजित हुई। अणुव्रत गीत मंगलाचरण से कार्यवाही प्रारंभ हुई। स्वागत स्वर प्रस्तुत करते हुए सुभद्रा लुणावत ने कहा कि 10 मई को 'स्वस्थ समाज निर्माण में सामाजिक संस्थाओं की भूमिका' विषय पर सी यू शाह भवन, पुरूषवाक्कम में एक संगोष्ठी रखी गई हैं। कार्यक्रम संयोजक, उपाध्यक्ष डॉ. दिलीप धींग ने बताया कि स्वार्थ- स्वयं निखरें, परार्थ- परिवार और समाज भी निखरें, परमार्थ- आत्मा पवित्र बने : बिन्दुओं पर चिन्तन-मनन होगा। मंत्री कुशल बांठिया ने कहा कि इस संगोष्ठी में चेन्नई महानगर की अनेकानेक सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक संस्थान सहभागी बन रहे हैं। उपाध्यक्ष स्वरुप चन्द दाँती ने कार्यक्रम की रूपरेखा बताते हुए बताया कि जीतो चेन्नई चैप्टर चैयरमैन राजेश चन्दन मुख्य अतिथि, प्यारेलाल पितलिया और विजयराज कटारिया विशिष्ठ अतिथि होंगे। सहमंत्री कमल सामसुखा ने बताया कि अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी के दक्षिणांचल उपाध्यक्ष कैलाश बोराणा, संगठन मंत्री राजेश चावत बंगलूर से विशेष रूप से पधारेंगे।

विफा के विशाखापत्तनम चैप्टर के अध्यक्ष बने राजकुमार और महासचिव बने खेतसिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विशाखापत्तनम। विप्र फाउंडेशन विशाखापत्तनम चैप्टर की साधारण सभा होटल विशाखापत्तनम में आयोजित की गई। संयोजक राजकुमार शर्मा ने उपस्थित सदस्यों का स्वागत करते हुए मंच पर क्षेत्रीय महामंत्री (दक्षिण) भगवान व्यास, जोन प्रेसिडेंट गोपाल शर्मा, चैप्टर के पूर्व अध्यक्ष शंकरलाल शर्मा, राजस्थानी विप्र वेलफेयर संघ के अध्यक्ष ललित गौड़ एवं नवल किशोर शर्मा को आमंत्रित किया।भगवान परशुराम जी की पूजा के बाद जोन अध्यक्ष गोपाल शर्मा ने अपने स्वागत भाषण में संगठन का महत्व बताते हुए सभी को एकजुट हो यकर विप्र फाउंडेशन को मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने चैप्टर के पूर्व अध्यक्ष शंकरलाल शर्मा को उनके सफल कार्यकाल के लिए बधाई दी। क्षेत्रीय महामंत्री भगवान व्यास ने विप्र फाउंडेशन की स्थापना से लेकर अभी तक के किए गए राष्ट्रव्यापी कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी।उन्होंने विप्र फाउंडेशन की नीतियों, उद्देश्यों और संगठन की कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने भविष्य में विप्र फाउंडेशन की गतिविधियों को कैसे आगे बढ़ाना है, इस संबंध में सिलसिलेवार जानकारी दी। उन्होंने सभी से अनुरोध किया कि अगर किसी प्रकार का किसी से कोई वैचारिक मतभेद हो भी तो सबकुछ भुलाकर एकजुट होकर चैप्टर एवं जोन को मजबूत बनाएं। उन्होंने अपने संबोधन में सदस्यता से संबंधित विस्तृत जानकारी देते हुए एक सप्ताह में कम से कम 100 सदस्य बनाने का लक्ष्य दिया।उन्होंने जोन प्रेसिडेंट गोपाल शर्मा से कहा कि वे विप्र फाउंडेशन विशाखापत्तनम चैप्टर के मनोनीत अध्यक्ष एवं महामंत्री की घोषणा करें। इस पर गोपाल शर्मा ने अध्यक्ष पद पर राजकुमार शर्मा एवं महामंत्री पद पर खेत सिंह राजपुरोहित के नाम की घोषणा की और कहा कि एक सप्ताह में सदस्य बना कर संपूर्ण कार्यकारिणी समिति का गठन कर दिया जाएगा।

नव मनोनीत अध्यक्ष राजकुमार शर्मा का अभिनंदन

इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष शंकरलाल शर्मा का सम्मान का जोन के अध्यक्ष गोपाल शर्मा ने किया, मनोनीत अध्यक्ष राजकुमार शर्मा का सम्मान क्षेत्रीय महा मंत्री भगवान व्यास ने किया। सभा में उपस्थित सदस्यों ने भगवान व्यास,गोपाल शर्मा, नवल किशोर शर्मा, ललित गौड़ आदि का सम्मान किया गया। सभा में उपस्थित सदस्यों में राजकुमार शर्मा, रमेश शर्मा, भागीरथ शर्मा एवं अन्य सदस्यों ने अपने विचार रखे। राष्ट्रगान के पश्चात बैठक का समापन हुआ।

सर्व हितकारी श्रेष्ठ जीवनशैली है जैन श्रावकाचार: आचार्यश्री विमलसागरसूरी

बल्लारी/दक्षिण भारत। बल्लारी के पास कुड़तीनी में शनिवार को विभिन्न वर्गों के श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि प्राणीमात्र को बचाने का प्रयत्न करना, अकारण हिंसा से बचना, पानी, बिजली खनिज, वनस्पति आदि प्राकृतिक संपदा को व्यर्थ न करना, संसाधनों का मर्यादित उपयोग करना, चोरी न करना, झूठ न बोलना, वेश्यावृत्ति न करना, भोगविलास की वृत्तियों को नियंत्रित करना, व्यसनमुक्त जीवन जीना, अधिक मात्रा में साधन-सामग्रियों को एकत्रित न करना, कम नाप-तोल न करना, मिलावट न करना, विश्वासघात न करना, बकाया धन चुकता करना इत्यादि धर्मशास्त्रों में वर्णित जैन श्रावकाचार के अनेकानेक नीति-नियम हैं। ये कोई बंधन नहीं, बल्कि आदर्श गृहस्थ जीवन की आधारशिला है। हर व्यक्ति अपनी शक्ति और भावना के अनुसार इनके परिपालन का संकल्प कर सकता है। इस नियमावली में सबकी भलाई का संदेश है और बुराइयों से बचने का निर्देश है। जैन श्रावकाचार में सकल ब्रह्मांड के सभी जीवों के अस्तित्व को स्वीकार किया गया है, इसलिए सद्भावना, सहयोग और समन्वय के आधार पर ही यह जीवनचर्या सफल हो सकती है।

आचार्यश्री ने कहा कि जैन श्रावकाचार संसार में सभी के लिए हितकारी श्रेष्ठ जीवनशैली है। जीव-जंतु, पशु-पक्षी, मनुष्य, जलवायु, पर्यावरण और प्रकृति, सबके प्रति सर्वाधिक न्याय इसी जीवनशैली से संभव है। सामान्य से विशेष और सरल से कठिन, इस प्रकार इस जीवनशैली के अनेक रूप हैं। यह किसी पर अपनी

धार्मिक मान्यता थोपने की चेष्टा नहीं है, बल्कि सुख-शांति पूर्वक अपना जीवन जीते हुए दूसरों को भी शांति तथा गौरव से जीने देने की व्यवस्था है। जैन दर्शन की स्पष्ट मान्यता है कि परस्पर उपकार व सहयोग की भावना से ही इस संसार में जीवनयापन हो सकता है। इस तरह ज्ञान पूर्वक आई हुई वैचारिक क्रांति से जैन श्रावकाचार की परिपालन हो सकती है। जैन श्रावकाचार को सिर्फ धार्मिक मान्यता के रूप में देखना उचित नहीं है। यह एक सार्वभौमिक समुचित व्यवहारिक जीवनचर्या है। फक्कुछ अपनाना, कुछ का त्याग कर देना, निर्धारित प्रतीकों या वस्त्रों को धारण करना, रात्रि भोजन न करना, तपस्या करना अथवा नित्य पूजा-पाठ करना, इतनी सीमित या संकुचित नहीं है यह जीवनशैली। यही कारण था कि महावीरस्वामी के काल में और उसके बाद सैकड़ों वर्षों तक सभी जाति-वर्गों के लोग इस जैन जीवनशैली का परिपालन करते थे। गणि पद्मविमलसागरजी ने बताया कि मर्यादाओं और नीति-नियमों के बिना जीवन की गति-प्रगति का कोई निर्धारण नहीं हो सकता। मनुष्य के भटकते मन के लिए नीति-नियम अंकुश का काम करते हैं।

साधारण सभा में विल्सनगार्डन संघ की नई कार्यकारिणी समिति गठित

मीठालाल फिर बने चेयरमैन, नेमीचन्द पुनः अध्यक्ष और जम्बूकुमार बने मंत्री

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ विल्सन गार्डन की वार्षिक साधारण सभा जैन स्थानक भवन में संघ के संरक्षक देवीचंद बोहरा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। संघ के अध्यक्ष नेमीचंद भंसाली ने सभी का स्वागत किया। संघ के मंत्री सज्जन बोहरा ने विगत वर्ष की गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। कोषाध्यक्ष उत्तमचंद पिछोलिया ने गत लेखा-जोखा वर्ष का आय-व्यय का विवरण दिया।

सभा में वर्तमान कार्यकारिणी के विगत कार्यकाल में संपन्न कार्यों की सराहना की गई। संघ के चेयरमैन मीठालाल मकाणा को सर्वसम्मति से पुनः चेयरमैन नियुक्त किया गया। उन्होंने आगामी दो वर्ष के कार्यकाल हेतु नए अध्यक्ष के लिए नेमीचंद भंसाली के नाम का प्रस्ताव रखा जिस पर सभी ने सहमति प्रदान की। तत्पश्चात सर्वसम्मति से जम्बूकुमार मकाणा को मंत्री एवं सज्जन बोहरा को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने संघ की उन्नति में सभी के निरंतर सहयोग हेतु धन्यवाद दिया। नवनियुक्त अध्यक्ष नेमीचंद भंसाली ने पुनः अध्यक्ष पद का दायित्व प्रदान करने हेतु सभी को धन्यवाद दिया।

त्यागराजनगर में साध्वीश्री पावनप्रभा का हुआ स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ संघ की साध्वीश्री पावनप्रभाजी अपने 8 दिन के प्रवास में कुल 203 घरों की देखभाल करते हुए सभी श्रावक-श्राविकाओं में जैन धर्म के प्रति जागरूक करते हुए शनिवार को हनुमंतनगर तेरापंथ भवन पहुंचीं।

साध्वीश्री ने अपने प्रवास के दौरान घर-घर में जप अनुष्ठान करवाया तथा सभी जनों को संघ से सक्रिय रूप से जुड़ने का आह्वान किया। ज्ञातव्य है कि साध्वीश्री का आगामी चातुर्मास बेंगलूरु गांधीनगर तेरापंथ भवन में होना तय है। हनुमंतनगर से प्रवास सम्पन्न कर साध्वीश्री त्यागराजनगर पहुंचीं जहां हनुंमतनगर तेरापंथ सभा के अध्यक्ष गौतम दंत सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित थे।

साध्वीश्री चंदनप्रभा का त्यागमय एवं तपस्वी जीवन सभी के लिए प्रेरणास्रोत : संतश्री ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के पुष्कर भवन में संतश्री ज्ञानमुनि जी, डॉ समकितमुनिजी, साध्वी सत्यप्रभाजी, सुमंगलप्रभाजी, ऋद्धिश्रीजी, सुप्रभाजी, सुप्रतिभाजी के सान्निध्य में श्रमण संघीय साध्वीश्री चन्दनप्रभाजी की स्मृति में गुणानुवाद सभा का आयोजन किया गया। इस मौके पर ज्ञानमुनिजी ने कहा कि साध्वीश्री चन्दनप्रभाजी का त्यागमय एवं तपस्वी जीवन सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उनका देवलोकगमन श्रमण संघ के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उनका सरल स्वभाव, गूढ़ ज्ञान, मधुर वाणी, विनम्रता और धर्म प्रचार के प्रति समर्पण सदैव स्मरणीय रहेगा। डॉ. समकितमुनिजी ने कहा कि साध्वी चंदनप्रभाजी श्रमण संघ की प्रभावशाली साध्वी थीं, जिनके जीवन में त्याग, तप और साधना निरंतर गतिमान रहे। लंबे समय तक शारीरिक व्याधि होने के बावजूद उन्होंने अद्भुत धैर्य, समता और सहनशीलता का परिचय दिया। वे सरल स्वभावी, तपस्विनी एवं ज्ञानी साध्वी थीं। 49 वर्ष तक संयम जीवन को तप, स्वाध्याय और साधना से समर्पित किया। अंतिम समय तक सेवा, साता एवं वैयावच्च का पुरुषार्थ करने वाली साध्वी धर्मशीलाजी, साध्वी तरुणशीलाजी की उन्होंने अनुमोदना की। साध्वी सुमंगलप्रभाजी ने कहा कि महासती चन्दनप्रभाजी ने अपने जीवन का प्रत्येक क्षण जिनशासन, धर्म प्रभावना एवं आत्मसाधना के लिए समर्पित कर उसे सार्थक बनाया। साध्वी ऋद्धिश्रीजी ने कहा कि साध्वीश्री के पावन जीवन से सदैव प्रेरणा मिलती रहेगी। साध्वी सुप्रभा जी ने कहा कि साध्वी चंदनप्रभाजी अपनी कठोर तपस्या एवं उच्च चारित्रिक साधना के लिए जानी जाती थीं। साध्वी सुप्रतिभा ने साध्वीश्री के उपकारों एवं उनके विशेष गुणों का भावपूर्ण स्मरण किया। साध्वी सिद्धमश्रीजी ने भावुक शब्दों में कहा कि आज मैं जो कुछ भी हूँ, वह साध्वीश्री चन्दनप्रभाजी की कृपा का परिणाम है। उन्होंने हमें सही दिशा और सच्चा मार्ग दिखाया। समस्त संत-सतिवृंद ने संथारा सहित देहावसान पर दिवंगत महासती जी को श्रद्धांजलि अर्पित की।सभा में उपस्थित श्रद्धालुओं ने चार लोगस का ध्यान कर दिवंगत महासती को श्रद्धासुमन अर्पित किए। सभा में अनेक वक्ताओं ने कहा कि साध्वी चंदनप्रभाजी का संपूर्ण जीवन संयम, साधना, त्याग और धर्म प्रभावना को समर्पित रहा। इस मौके पर अनेक संघ संस्थाओं के पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित थे।

इंडियन क्रिकेट टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने शनिवार को जम्मू और कश्मीर के रियासी जिले के कटरा में श्री माता वैष्णो देवी के पवित्र मंदिर में पूजा-अर्चना की।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.